रांची, शनिवार
31-10-2026
वर्ष : 01, अंक : 167
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

# रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

# "कुछ लोगों का प्लान देश में अराजकता फैलाना था ताकि 'मोदी' को बदनाम कर सकें"

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विपक्ष पर बड़ा हमला

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए कृषि, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विपक्ष पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि खेती हमारे देश की परंपरा भी है और संस्कृति भी है। पिछले 12 वर्षों में हमारी सरकार ने इसमें विज्ञान और तकनीक का व्यापक समावेश किया है।

दुलारचंद यादव हत्याकांडः बाहुबली विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत रद्द; 1 दिसंबर तक करना होगा सरेंडर ये भी पढ़ें दुलारचंद यादव हत्याकांडः बाहुबली विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत रद्द; 1 दिसंबर तक करना होगा सरेंडर

त्योहारों से पहले बड़ा तोहफाः केंद्र सरकार ने DA में किया 3% का इजाफा, 1.17 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनधारकों को मिलेगा सीधा फायदा ये भी पढ़ें त्योहारों से पहले बड़ा तोहफाः केंद्र सरकार ने DA में किया 3% का इजाफा, 1.17 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनधारकों को मिलेगा सीधा फायदा

इसका उदाहरण देते हुए पीएम ने कहा कि सॉइल हेल्थ कार्ड इसका बड़ा उदाहरण है। पहले किसान को यह पता लगाने में मुश्किल होती थी कि उसके खेत को कौन सी खाद चाहिए और कितनी मात्रा में चाहिए। सॉइल हेल्थ कार्ड ने इसका समाधान किया है। आज 26 करोड़ से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड हमारे किसानों के पास हैं। इससे खेती के तौर-तरीकों में आधुनिकता आई है।

उन्होंने कहा कि किसान के लिए मौसम में हो रहा बदलाव बहुत बड़ी चुनौती है, इसलिए सरकार का प्रयास है कि किसान

को लगातार नई किस्म के बीज उपलब्ध हों, जो जलवायु के अनुकूल हों। बीते वर्षों में बीजों की करीब 3 हजार नई किस्में किसानों को उपलब्ध कराई गई हैं।पीएम मोदी ने कहा कि पशुपालन हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है और इसमें महिलाओं की बहुत बड़ी भागीदारी है। बीते दशक में हमने पशुपालन में भी वैज्ञानिकता पर जोर दिया है, ताकि दुग्ध उत्पादन बढ़े। आप राष्ट्रीय गोकुल मिशन के बारे में जानते हैं, इसके तहत देशी नस्लों के वैज्ञानिक प्रजनन और संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। बनासकांठा में बना रिसर्च सेंटर इस मिशन को और मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि आईवीएफ जैसी आधुनिक तकनीक इसमें मदद करती है।

पीएम ने कहा, "पशुओं को बीमारी से बचाना भी हमारी प्राथमिकता है। हमने देश में पशुओं के लिए मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया। अब तक 150 करोड़ टीके पशुओं को लगाए जा चुके हैं। 8 करोड़ से अधिक किसानों के पशुओं को मुफ्त टीके लगे हैं। इससे पशुपालकों के खर्च का बोझ भी कम हुआ है।

"इन प्रयासों का असर दुग्ध उत्पादन में भी दिख रहा है। वर्ष 2013-14 में एक गाय या भैंस से औसतन एक दिन में 5 लीटर से भी कम दूध मिलता था, आज यह औसत बढ़कर करीब 8 लीटर हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन की उत्पादकता दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है। भारत दुनिया में नंबर वन है, इसका मतलब है कि किसान परिवार की कमाई बढ़ी है।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि आज यहां दो बायो सीएनजी प्लांट का शिलान्यास भी हुआ है। हमारा लक्ष्य साफ है कि पशु स्वस्थ हों, दूध उत्पादन बढ़े और गोबर का भी पूरा उपयोग हो। हम पशुपालन को केवल परंपरा नहीं, किसान की आमदनी बढ़ाने और गांव को समृद्ध बनाने का साधन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालन के क्षेत्र में भी विस्तार हुआ है। भारत का सी-फूड निर्यात दो गुना से अधिक हो गया है। मछली पालन क्षेत्र में सहकारिता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

# वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में शामिल होंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन!

## कल्पना सोरेन के साथ हुए दिल्ली रवाना

**रफ्तार मीडिया सवाददाता**

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशेष विमान से दिल्ली रवाना हो गए हैं. सीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में शामिल होंगे. इस महारैली का आयोजन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया के क्रम में वोटरों के नाम हटाए जाने और तथाकथित गड़बड़ियों के विरोध में बुलाई गई है. इस मसले पर 25 और 26 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र भी होना है, जिसमें एसआईआर की तथाकथित खामियों और एमएमडीआर संशोधन से हुए वित्तीय नुकसान पर चर्चा कर प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा.

**बसंत सोरेन से भी मिलने जा सकते हैं सीएम**

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव

अविनाश कुमार और सुरक्षा पदाधिकारी अजय कुमार भी विशेष विमान से दिल्ली गए हैं. सूत्रों के मुताबिक इस बात की संभावना है कि दिल्ली से मुख्यमंत्री सिंगापुर भी जा सकते हैं, क्योंकि वहां उनके छोटे भाई और दुमका से विधायक बसंत सोरेन इलाजरत हैं. क्योंकि इसी वजह से बसंत सोरेन अपनी माता के निधन के बावजूद अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे. पिछले दिनों नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और जदयू नेता सरयू राय ने एक्स पर पोस्ट साझा कर विधायक बसंत सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी.

महारैली को सफल बनाने में जुटी है झारखंड कांग्रेस

इस रैली में शामिल होने के लिए झारखंड से तमाम कांग्रेसी नेता दिल्ली रवाना हो चुके हैं. 29 अक्टूबर को कांग्रेस नेत्री सह कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने कई बसों से अपने समर्थकों को रवाना किया था. प्रदेश कांग्रेस ने इस रैली में झारखंड से करीब 12 हजार कार्यकर्ताओं के दिल्ली जाने का दावा किया है.

खास बात है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं. राहुल गांधी ने चलो दिल्ली का नारा दिया है. वह इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट साझा कर लोगों से नई दिल्ली के रामलीला मैदान में पहुंचने की अपील कर रहे हैं. उनका कहना है कि "यह किसी दल, जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र का नहीं, हर भारतीय का आंदोलन है. शिव की बारात की तरह, बिना किसी भेदभाव सबका स्वागत है - हक से आएं."

## संक्षिप्त समाचार.....

### सहमति से बने संबंध ब्रेकअप के बाद रेप नहीं,आरोपी बरी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि व्यस्क युवक-युवती के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को ब्रेकअप के बाद

रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने शादी का वादा करके रिलेशन बनाने के आरोप वाले मामले में एक व्यक्ति को आरोपों से मुक्त कर दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि प्रेम और आपसी सहमति वाले रिश्ते में बने संबंधों को ब्रेकअप के बाद अपराध नहीं बनाया जा सकता। हर टूटे रिश्ते को रेप का मामला बनाना गलत है। हालांकि, अगर शुरुआत से ही शादी का झूठा वादा करके या धोखे से सहमति हासिल की गई थी, तो मामला अलग होगा। ऐसे मामलों में यह देखना जरूरी है कि क्या सहमति वास्तव में धोखे पर आधारित थी। रेप का आरोप का डर दिखाना गलत- किसी पुरुष पर सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला दर्ज करना उचित नहीं है, क्योंकि उसने रिश्ता खत्म करने का फैसला किया है। रेप के आरोप का डर दिखाकर किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती रिश्ते में बने रहने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

### ओडिशा के 3 जिलों में बाढ़, 62 हजार लोग फंसे,चक्रवात अर्नब का असर

**जयपुर/भोपाल/लखनऊ/पटना/भुवनेश्वर।** चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बावजूद

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए इन राज्यों में रेड-ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और ठंडी हवाओं से कई राज्यों में दिन के तापमान में गिरावट आई है। ओडिशा के 3 जिलों गंजाम, गजपति और कंधमाल में बाढ़ आ गई। गंजाम के 300 गांवों का संपर्क टूट गया है। गंजाम और गजपति जिलों में करीब 62 हजार लोग बाढ़ में फंसे हैं। एनडीआरएफ की 54 टीमें 120 लोगों को एयरलिफ्ट कर चुकी हैं। दिल्ली में गुरुवार की देर रात बारिश हुई।आईएमडी के मुताबिक, गुरुवार को अधिकतम तापमान 25.4°C दर्ज किया गया।

### गुजरात हाईकोर्ट ने सरकारी पाबंदी हटाई, कहा- कलेक्टर ने शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया

**एजेंसी नई दिल्ली**

गुजरात हाईकोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास बिकने वाले नॉन-वेज खाने पर सरकार की लगाई रोक रद्द कर दी है। कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगाने की राज्य सरकार की मांग भी ठुकरा दी। जस्टिस निशा एम ठाकोर की बेंच ने सरकार की दलील खारिज कर दी और प्रतिबंध को रद्द कर दिया। राज्य सरकार ने सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉन-वेज खाना बेचने पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने माना कि कलेक्टर ने गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 33(1)(2) के तहत अपनी शक्तियों से बाहर जाकर एक वैध व्यापार पर स्थायी रोक लगा दी, जो असंवैधानिक है। सरकार अब इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच या सुप्रीम कोर्ट में जा सकती है, लेकिन फिलहाल के लिए बैन खत्म है। गुजरात सरकार ने अगस्त 2026 में नोटिफिकेशन जारी किया था कि सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर दायरे और मंदिर जाने वाले 6 मुख्य रास्तों पर नॉनवेज बनाना-बेचना पूरी तरह बैन होगा।

#### 7 रेस्टोरेंट मालिकों ने लगाई थी याचिका

इस फैसले के खिलाफ सोमनाथ के 7 रेस्टोरेंट मालिक हाईकोर्ट गए। उनका दावा था कि- हम 20-25 साल से लाइसेंस लेकर चल रहे हैं, लेकिन सरकार इसे जबरदस्ती बंद करवा दिया।

### इंडियन नेवी को मिलेंगे 8 नए कॉर्वेट जंगी जहाज

**कैबिनेट ने 40 हजार करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी; 70% से ज्यादा सामान भारत में बनेगा**

**एजेंसी नई दिल्ली**

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने इंडियन नेवी के लिए 8 नए कॉर्वेट युद्धपोत बनाने की मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 40 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।इन युद्धपोतों में 70त्न से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा। इससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले युद्धपोत का निर्माण एक साल के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2030 तक नौसेना को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

#### 8 युद्धपोतों को सरकारी क्षेत्र की दो कंपनियां बनाएंगी

इन 8 युद्धपोतों को सरकारी क्षेत्र की दो कंपनियां बनाएंगी। इनमें कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड शामिल हैं। दोनों कंपनियों के साथ अगले कुछ दिनों में निर्माण का कॉन्ट्रैक्ट होने की उम्मीद है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, हाल के समय में सरकार के उच्च स्तर पर मंजूरी पाने वाली यह पहली बड़ी रक्षा परियोजना है। इससे इंडियन नेवी की ताकत बढ़ेगी और देश में युद्धपोत बनाने को बढ़ावा मिलेगा।

# आईएनएस विक्रांत पर राफेल मरीन की पहली लैंडिंग

**एजेंसी पणजी**

राफेल मरीन फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को आईएनएस विक्रांत पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर शिप है। यह लैंडिंग विमान के नौसेना में इस्तेमाल की दिशा में शुरुआती कदम मानी जा रही है। लैंडिंग एक फ्रेंच पायलट ने की, क्योंकि ये फर्स्ट फ्लाइट कैपेन का हिस्सा है - मतलब भारतीय कैरियर पर फ्रेंच जेट की कम्पेटिबिलिटी टेस्ट। भारतीय नौसेना के अनुसार, राफेल मरीन की आईएनएस विक्रांत पर सफल लैंडिंग के बाद इसके ट्रायल जारी हैं। इन ट्रायल्स से भारतीय नौसेना में राफेल मरीन विमान को ऑपरेशनल बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

## तबाही पानी भारत पहुंचने का खतरा, बंगाल-असम में बाढ़ का अलर्ट

# भूटान में ग्लेशियर झील फटी, हाईवे-सड़कें उखड़ीं

**एजेंसी कोलकाता**

भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही हुई। पानी के तेज बहाव में यहां का मशहूर गर्म पानी का कुंड गासा त्साचु पूरी तरह बह गया। पुनाखा-गासा हाईवे का एक हिस्सा भी टूट गया, जिससे वहां ट्रैफिक बंद करना पड़ा। हालांकि, अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है।

झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर बढ़ गया है। यह नदी भूटान से निकलकर असम और पश्चिम बंगाल की सीमा वाले इलाकों से गुजरती है और आगे ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इसे देखते हुए दोनों राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में प्रशासन ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित

स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को सतर्क किया गया और जल्द से जल्द घर छोड़ने को कहा गया। आपदा प्रबंधन की टीमें भी तैनात की गई हैं।

#### शिंताफू झील के पानी के भारत तक पहुंचने की आशंका

भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील फटने पर उसमें जमा पानी नदियों के रास्ते भारत पहुंच सकता है। सबसे पहले यह पानी भूटान की मो छू नदी में आएगा। आगे मो छू और फो छू नदियां मिलकर पुनात्सांगछू नदी बनाती हैं। यह नदी दक्षिण की ओर बहते हुए भारत में प्रवेश करती है। भारत में इसे संकोश नदी कहा जाता है। इसके पानी से पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी के साथ असम के कोकराझार और धुबरी जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा हो सकता है।

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से प्रेरित होकर किया शोध, उदय मेहता को भी मिली पीएचडी की उपाधि

# राज्यपाल ने विभावि के 11वें दीक्षांत समारोह में 65 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**नीलम शर्मा को एमएसएमई पर शोध के लिए पीएचडी**

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**हजारीबाग :** विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में गुरुवार को 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह में झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने हाथों 65 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं, अन्य विद्यार्थियों को कुलपति एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने उपाधियां सौंपीं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना भी है। दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के वर्षों के संघर्ष, लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने में करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।समारोह में कुलपति प्रोफेसर चंद्रभूषण शर्मा ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्मचारियों की भारी कमी के बावजूद शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले उदय मेहता ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के संघर्ष और प्रेरणा को दिया। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं और उनके पिता किसान हैं। बचपन से ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन करने और समाज के लिए कुछ बेहतर करने का सपना रहा है। उन्होंने झारखंड की राजनीति में आजसू पार्टी के समर्थन का मूल्यांकन विषय पर शोध किया है। उदय मेहता वर्तमान में जेएलकेएम पार्टी के सक्रिय सदस्य हैं।वहीं, नीलम शर्मा ने विवाह के बाद भी अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए पीएचडी की उपाधि हासिल की। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय पति और ससुराल के सदस्यों के सहयोग को दिया। नीलम शर्मा ने बताया कि उन्होंने केंद्र सरकार की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) योजना पर शोध किया है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विचार से प्रेरित होकर इस विषय को चुना। उनका मानना है कि एमएसएमई क्षेत्र देश में रोजगार सृजन, उद्यमिता को बढ़ावा देने और आर्थिक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उपाधि प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ नजर आया। विद्यार्थियों ने कहा कि उच्च शिक्षा का महत्व केवल प्रमाणपत्र हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाती है। उन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

## समाचार सार

### पत्रकार को मातृ शोक, गरगा घाट पर दी गई मुखाग्नि

**बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता):** बिहान भारत के बोकारो जिला के ब्यूरो चीफ अजीत कुमार की माता महापति कुमारी (77 वर्ष) का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने बोकारो स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और बोकारो के पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। महापति कुमारी के निधन से अजीत कुमार के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन की सूचना मिलने के बाद पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।शोक व्यक्त करने वाले पत्रकारों ने कहा कि मां का निधन किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। इस कठिन समय में सभी की संवेदनाएं अजीत कुमार और उनके परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।साथ ही बिहान भारत हिंदी दैनिक के संपादक , प्रबंध संपादक और सभी जिला के ब्यूरो चीफ व संवाददाताओ सहित रफ्तार मीडिया के ब्यूरो चीफ दिनेश पांडेय, अमर नाथ पोद्दार, चूमन कुमार, कैलाश गोस्वामी, नीतेश कुमार, मनोज शर्मा, हिमांशु वर्मा, अमर कुमार, शैलेश पांडेय, रजत शर्मा , नरेश कुमार, भरत चक्रम, अभय कुमार ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त किया है। महापति कुमारी का अंतिम संस्कार चास स्थित गरगा घाट पर किया गया। जहां सभी पत्रकार मौजूद रहे।उनके निधन से परिवार, परिचितों और शुभचिंतकों के बीच शोक का माहौल है।

### एनएच-32 पर भीषण सड़क हादसा: महतो मोड़ के पास तेज रफ्तार का कहर, चोटीटांड से बंगाल जा रहे लोग घायल, एक की मौत, दूसरा एम मेमोरियल अस्पताल में भर्ती

**बोकारो :** झारखंड-बंगाल सीमा को जोड़ने वाले व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग-32 बोकारो-पुरुलिया मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गई है। महतो मोड़ के समीप, सिधाबनी पेट्रोल पंप के सामने हुई इस गंभीर दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में घायल हुए दो लोगों को तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से इलाज के लिए के एम मेमोरियल अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का शिकार हुए लोग चोटीटांड क्षेत्र से सवार होकर बंगाल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान महतो मोड़ के पास यह हादसा हुआ। हादसे में एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के बाद घायलों की पहचान और उनके स्वजनों को सूचना देने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। चोटीटांड या आसपास के क्षेत्रों के यदि कोई व्यक्ति इन घायलों को पहचानते हैं, तो वे तुरंत के एम मेमोरियल अस्पताल या संबंधित थाना क्षेत्र से संपर्क करें, ताकि समय पर उनके परिजनों को इसकी आधिकारिक सूचना दी जा सके।

### भुजाली मारकर किया मां बेटा को घायल, आरोपी गिरफ्तार

**बोकारो :** बोकारो से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है जहां संपत्ति विवाद में एक देवर ने अपनी भाभी और भतीजे को भुजाली मारकर घायल कर दिया है। घटना हरला थाना क्षेत्र सेक्टर 9डी के स्ट्रीट 36 की है। बताया जा रहा है कि आरोपी एवं पीड़ित दोनों चास के यदुवंश नगर का निवासी है लेकिन आरोपी संतोष कुमार के भय से उसका भाई मिथलेश प्रसाद वर्तमान में अपना परिवार लेकर सेक्टर 9ऊ स्ट्रीट 36 में रहता है। आज अहले सुबह सरोज देवी आवास खोलकर झाड़ू लगा रही थी तभी आरोपी संतोष प्रसाद घर में घुस गया और भुजाली से ताबड़तोड़ भतीजा अमन कुमार पर हमला कर दिया तभी झाड़ू छोड़ सरोज देवी बेटा के पास पहुँची तो सरोज देवी के सिर पर भुजाली से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। महिला को सिर में जबकि अमन कुमार को पीठ में भुजाली मार दिया है, दोनों जख्मी को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि आरोपी संतोष प्रसाद भी जख्मी है जिसे मामूली चोटें आई है। जिन्हें सदर अस्पताल में इलाज के लिए पुलिस ने भर्ती कराया है। मालूम हो कि एक साल पहले आरोपी ने अपने बड़े भाई मिथलेश प्रसाद को भुजाली से घायल कर दिया था जिसमें वह जेल जा चुका है, दूसरी ओर पिता को भी मारकर हत्या कर देने का आरोप परिवार वालों ने लगाया है। डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जांच की जा रही है।

### पीएम-किसान की 24वीं किस्त जारी, देश के 9.34 करोड़ किसानों को मिले 18,700 करोड़ रुपये

**रांची :** भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, नामकुम में शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में 415 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश के लगभग 9.34 करोड़ किसानों के बैंक खातों में करीब 18,700 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव फ्रैंकलिन एल. खोबुंग सहित केंद्र और झारखंड सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में देश में दूध उत्पादन लगभग 1.6 गुना बढ़ा है। साथ ही भारत शहद उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश बना है और समुद्री खाद्य निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने किसानों से इस राशि का उपयोग गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषि सामग्री खरीदने में करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि बजट में लगभग पांच गुना वृद्धि कर किसानों के कल्याण और कृषि विकास को नई गति दी है।

# उज्ज्वला फाउंडेशन ने 114 महिला सदस्यों के बीच वितरित की बचत राशि

51 को मिली खाद्य सामग्री: दीपावली, लक्ष्मी पूजा एवं छठ महापर्व को लेकर महिलाओं को दिया गया आर्थिक सहयोग

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**कुजू /रामगढ़ :** बोंगावार स्थित जेपी रेस्टोरेंट के सभागार में शुक्रवार को उज्ज्वला फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने की, जबकि मंच का संचालन शांति देवी ने किया। बैठक के दौरान दिगवार पारटांड़ क्षेत्र की महिला सदस्यों की सात माह की बचत अवधि पूरी होने पर फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने 114 महिला सदस्यों के बीच उनकी बचत की राशि वितरित की। दीपावली, लक्ष्मी पूजा एवं छठ महापर्व को देखते हुए महिलाओं को यह आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया, ताकि वे त्योहारों के लिए आवश्यक पूजा सामग्री एवं अन्य घरेलू सामान की खरीदारी कर सकें और अपने परिवार के साथ खुशियां मना सकें। वहीं, पूर्व में खाद्य सामग्री प्राप्त करने से वंचित रह गईं 51 महिला सदस्यों के बीच भी खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि उज्ज्वला फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना, उनमें बचत की आदत विकसित करना तथा जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी महिला सशक्तीकरण और जनसेवा से जुड़े कार्यों को निरंतर जारी रखेगा। बैठक में आशा कुमारी, मनसरी देवी, मीना देवी, देववंती देवी, कुंती देवी, बबीता देवी, प्रीति देवी, सोनी देवी, गीता देवी सहित फाउंडेशन की कई महिला सदस्य उपस्थित थीं।

# झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 को लेकर धनबाद प्रशासन सख्त, न्यू टाउन हॉल में एसएसपी और नगर आयुक्त ने की संयुक्त ब्रीफिंग

**सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी और बायोमेट्रिक जांच की होगी पुख्ता व्यवस्था, कदाचार करने वालों पर होगी त्वरित कार्रवाई**

**अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारियों को दिए गए जरूरी निर्देश**

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**धनबाद :** झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) 2026 के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर धनबाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। परीक्षा की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से न्यू टाउन हॉल में वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार और नगर आयुक्त आशीष गंगवार की संयुक्त अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस बैठक में परीक्षा केंद्रों के सभी केंद्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सुरक्षा बल के जवान शामिल हुए। संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने सभी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अव्यवस्था या संदिग्ध गतिविधि को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी पुलिसकर्मियों को समय पर अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर पूरी जिम्मेदारी के साथ दायित्व निभाने को कहा गया है।परीक्षा को पूरी तरह कदाचार मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर जैमर, सीसीटीवी कैमरे और बायोमेट्रिक जांच की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को एकत्रित होने से रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।

नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, शौचालय और अन्य तमाम बुनियादी सुविधाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं, ताकि दूर-दराज से परीक्षा देने आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर आयुक्त आशीष गंगवार और एसएसपी प्रभात कुमार ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य जेटेट 2026 की इस परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर सभी पहलुओं पर पैनी नजर रखी जा रही है।

# अनगड़ा से बड़ी संख्या में दिल्ली रैली के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता रवाना, वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में होंगे शामिल

रफ्तार मीडिया संवाददाता

अनगड़ा : आगामी 1 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की ह्यवोट बचाओ-देश बचाओ विशाल महारैली में शामिल होने के लिए अनगड़ा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। सभी कार्यकर्ता गोन्दलीपोखर स्थित राजधानी होटल से बसों के माध्यम से सकुशल रवाना हुए। इस दौरान कार्यकताओं में दिल्ली में आयोजित महारैली को लेकर उत्साह देखा गया। वहीं, खिजरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ओरमांझी, नामकुम एवं धुर्वा क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने बसों से दिल्ली के लिए प्रस्थान किया।कार्यकताओं का कहना है कि वे महारैली में शामिल होकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, मताधिकार की सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी की ओर से उठाई जा रही आवाज में अपनी भागीदारी निभाएंगे। अनगड़ा प्रखंड से दिल्ली रवाना होने वालों में एतवा उरांव, राजेन्द्र मुंडा, दीपा उरांव, शहनाज खातून, यूनूस अंसारी, फारूक खान, विश्राम महतो, रेजाक अंसारी, अजय उरांव, योगेन्द्र बेदिया, आशीष मुंडा, सचिन नायक, संजय नायक, अजय करमाली, सरिता देवी, रेणु देवी, संगीता कैथा, उमा देवी, जोन तिग्गा, बिहारी मुंडा, संतोष कच्छप, संदीप गाड़ी, किशोर मुंडा, रोहित नायक, बालेश्वर बेदिया, दशरथ पाहन, प्रेम उरांव एवं मॉबिन अंसारी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। पार्टी कार्यकताओं के अनुसार, इस महारैली में देश के विभिन्न हिस्सों से कांग्रेस के नेता,पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटेंगे।अनगड़ा से कार्यकताओं की भागीदारी को क्षेत्रीय संगठन की सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली रवाना होने के साथ ही कार्यकताओं ने महारैली में शामिल होने की तैयारी पूरी कर ली है।

# हिरणपुर की मुख्य सड़क पर धूल का गुबार भारी वाहनों की आवाजाही से बढ़ी परेशानी

**स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर, दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा; सड़क की बदहाली और स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने डीसी से लगाई गुहार**

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**पाकुड़ :** हिरणपुर बाजार की मुख्य सड़क पर लगातार बढ़ रही धूलकण और प्रदूषण की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण हिरणपुर हाई स्कूल मोड़ से रानीपुर मोड़ तक घनी आबादी वाले क्षेत्र में दिनभर धूल का गुबार उड़ता रहता है। इससे राहगीरों, दुकानदारों और आसपास रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर हिरणपुर के ग्रामीणों ने उपायुक्त, पाकुड़ को लिखित आवेदन सौंपकर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया है कि सड़क पर उड़ती धूल के कारण बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

खासकर बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वहीं, धूल के गुबार के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाती है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। आवेदन में दुकानदारों और स्थानीय निवासियों की परेशानी का भी जिक्र किया गया है।

सड़क किनारे स्थित घरों और दुकानों में धूल की मोटी परत जम जाती है। इससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है और खाने-पीने की वस्तुओं को भी धूल से बचाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने भारी वाहनों की आवाजाही पर चिंता जताते हुए कहा कि विद्यालय की छुट्टी के समय भी भारी वाहनों का परिचालन जारी रहता है। वहीं, रात के समय कोयला लदे वाहन अपने निर्धारित रूट को छोड़कर बेलगामा की ओर तेज रफ्तार से गुजरते हैं। घनी आबादी वाले इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही से किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा मुख्य सड़क के किनारे लगी स्ट्रीट लाइट पर भी धूल और गंदगी की मोटी परत जम गई है। इससे कई स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं और सड़क पर अंधेरा छाया रहता है। रात में राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि सड़क पर नियमित जल छिड़काव कराया जाए, भारी वाहनों के परिचालन को नियंत्रित किया जाए, विद्यालय के समय विशेष निगरानी रखी जाए तथा स्ट्रीट लाइट की सफाई और मरम्मत कराकर उन्हें चालू कराया जाए। साथ ही सड़क पर धूल और प्रदूषण की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या केवल असुविधा का विषय नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस जनसमस्या पर कितनी जल्दी संज्ञान लेकर राहत पहुंचाता है। वहीं हिरणपुर से ग्रामीणों की समस्या लेकर पहुंचें कुमार राणा की नेतृत्व में समाजसेवी चंदन भगत और विकास कुमार दास ने कहा कि अगर इस समस्या की जल्द समाधान नहीं हुई तो हमें मजबूरन अगला कदम उठाना होगा।

# जयपुर रत्न मंदिर का उप महापौर नीरज कुमार और पूर्व राज्यसभा सांसद ने तीसरे बड़े शोरूम का किया उद्घाटन

## भरोसे और गुणवत्ता की परंपरा के साथ रांची में शुरू हुआ नया शोरूम, सोने की खरीदारी पर विशेष ऑफर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**रांची :** जयपुर रत्न मंदिर प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी परंपरा, भरोसे और गुणवत्ता के साथ रांची में नए शोरूम की शुरूआत की। मेन रोड स्थित आर. अली ग्रैंड मॉल के दुकान संख्या 10 में प्रतिष्ठान का उद्घाटन उपमहापौर नीरज कुमार और पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारु ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर नीरज कुमार ने कहा कि रांची में नए प्रतिष्ठान की शुरूआत से शहर के लोगों को आभूषणों की खरीदारी के लिए एक और विकल्प मिलेगा। उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक दीपक गुप्ता को नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी व्यवसाय की सफलता ग्राहकों के विश्वास, गुणवत्ता और बेहतर सेवा पर निर्भर करती है। विशिष्ट अतिथि अजय मारू ने कहा कि आभूषणों के कारोबार में ग्राहकों का भरोसा, गुणवत्ता और पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जयपुर रत्न मंदिर अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के माध्यम से ग्राहकों के बीच अलग पहचान बनाएगा। प्रतिष्ठान के संचालक दीपक गुप्ता ने बताया कि रांची में जयपुर रत्न मंदिर का यह तीसरा बड़ा शोरूम है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी परंपरा, भव्यता, विश्वास और शाश्वत मूल्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस नए शोरूम की शुरूआत कर रही है। प्रतिष्ठान के माध्यम से ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण आभूषण उपलब्ध कराने के साथ उनकी जरूरतों और पसंद का ध्यान रखा जाएगा। दीपक गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों के लिए सोने की खरीदारी पर विशेष ऑफर दिया जा रहा है। इसके तहत हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों पर अधिकतम तीन प्रतिशत तक मेकिंग चार्ज और सोने की खरीदारी पर शून्य प्रतिशत मेकिंग चार्ज का विकल्प उपलब्ध कराने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान में जेम्स और स्टोन थोक दरों पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा सोने, हीरे और चांदी के आभूषण भी खुदरा दरों पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं।उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठान में गुणवत्ता और हॉलमार्क वाले आभूषणों को प्राथमिकता दी जाती है। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर उत्पाद और खरीदारी का भरोसेमंद अनुभव उपलब्ध कराना है। जयपुर रत्न मंदिर प्राइवेट लिमिटेड की इस नई शुरूआत से रांची के आभूषण बाजार में ग्राहकों को एक और विकल्प मिला है। प्रतिष्ठान प्रबंधन ने भरोसे, गुणवत्ता और पारंपरिक मूल्यों के साथ ग्राहकों की सेवा करने की प्रतिबद्धता जताई।

# पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर संपन्न हुआ ग्रीन जनरेशन 2026

## पोस्टर, मॉडल और स्लोगन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रभात सिन्हा

**गया जी :** काउंसिल ऑफ मगध वूमेन एम्पावरमेंट के तत्वावधान में शुक्रवार को मगध हायर सेकेंडरी स्कूल, गांधीजी नगर, कुजापी, गयाजी में एक दिवसीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम ग्रीन जनरेशन 2026 का आयोजन किया गया। छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव - पृथ्वी के प्रति हमारी जिम्मेदारी थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जेएनयू, दिल्ली के डॉ. अश्विनी तिवारी एवं डॉ. अमित मिश्रा, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुकेश महतो और डॉ. राकेश कांत कमल ने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, कचरा प्रबंधन और ऊर्जा बचत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम में सीओएमडब्लूई के अध्यक्ष नवीन रंजन एवं सचिव श्रीमती तमकनत उपस्थित रहीं। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच पोस्टर मेकिंग, मॉडल निर्माण और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण और प्लास्टिक मुक्त वातावरण का संदेश दिया। प्रतियोगिता में वर्ग नवम की निशी कुमारी ने प्रथम, खुशी कुमारी ने द्वितीय और ब्यूटी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उर्जेश कुमार को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। वहीं, वर्ग दशम की आरती कुमारी एवं हर्ष कुमार और वर्ग अष्टम के विवेक कुमार को भी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए चयनित किया गया। सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। सभी ने पौधे लगाने, जल एवं ऊर्जा बचाने और प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग से बचने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक दिवेश कुमार वर्मा ने किया। मौके पर शिक्षक सत्येंद्र कुमार, गणेश कुमार एवं दिनु आदर्श उपस्थित रहे। अंत में डॉ. प्रवीण रंजन गांधी ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। इसके माध्यम से संदेश दिया गया कि हर छोटा प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# सीयूएसबी में 2 नवंबर को होगा विकसित भारत युवा संसद 2027 का आयोजन

प्रभात सिन्हा

**गयाजी :** दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) गयाजी में आगामी 2 नवंबर 2026 को विकसित भारत युवा संसद 2027 का आयोजन किया जाएगा। मेरा युवा भारत, गयाजी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक सहभागिता, सार्वजनिक नीतियों की समझ और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपने कार्यालय में युवा संसद के प्रचार पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी पवन कुमार, सीयूएसबी के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि यह पहल युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ने और विकसित भारत के निर्माण में उनकी रचनात्मक एवं विचारशील भूमिका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सिर आलम ने बताया कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित स्वायत्त संस्था मेरा युवा भारत इस पहल का प्रमुख आधार है। इस वर्ष युवा संसद को विकसित भारत युवा नेतृत्व विकास की रूपरेखा से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य केवल वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि युवाओं में संवैधानिक मूल्यों, सक्रिय नागरिकता, तार्किक चिंतन, नीतिगत समझ और सामूहिक समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करना भी है। इस मंच पर युवा राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखने के साथ व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत कर सकेंगे। युवा संसद में भाग लेने के इच्छुक युवा मेरा युवा भारत के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का विषय एक राष्ट्र, एक चुनाव रखा गया है। इसके प्रारंभिक चरण का आयोजन देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 786 जिलों में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए तीन मिनट का समय मिलेगा। प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके वक्तृत्व कौशल, नीतिगत विषयों की समझ और विश्लेषणात्मक स्पष्टता के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक जिले से तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक राज्य से चयनित तीन प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रक्रिया के तहत 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 108 प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा। युवा संसद का राष्ट्रीय समापन समारोह 9 और 10 जनवरी 2027 को नई दिल्ली स्थित भारतीय संसद के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित होगा। इस पहल के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपनी बात रखने, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का अवसर मिलेगा।

# स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत 1600 वर्गफुट जगह कराई गई खाली, फायर मॉक ड्रिल और पौधारोपण का भी आयोजन

प्रभात सिन्हा

**बोधगया :** भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बोधगया में स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित परिसर बनाने के उद्देश्य से विशेष अभियान 6.0 चलाया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय के निदेर्शों के अनुरूप 15 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित इस अभियान के तहत स्वच्छता, ई-वेस्ट प्रबंधन, उपलब्ध स्थान के बेहतर उपयोग और अभिलेखों को व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके माध्यम से संस्थान में संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के साथ कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में पहल की जा रही है। अभियान के तहत संस्थान ने एमएसटीसी के माध्यम से पुराने स्क्रैप की बिक्री कर 6.54 लाख रुपये की राशि प्राप्त की है। वहीं, पुराने स्क्रैप और बेकार कार्टन को हटाकर परिसर में लगभग 1600 वर्गफुट जगह खाली कराई गई है। इससे उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग करने और कैंपस को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिली है। इसके अलावा, ई-वेस्ट को निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुसार अधिकृत रिसाइक्लर के माध्यम से निस्तारित किया गया। पुराने और अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरणों को भी अलग कर उनके उचित प्रबंधन की व्यवस्था की गई। अभियान के तहत 28 अक्टूबर को आईआईएम बोधगया परिसर में फायर मॉक ड्रिल और इवैक्यूएशन ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों और परिसर को सुरक्षित रखने की तैयारियों पर जोर दिया गया। साथ ही, स्वच्छता गतिविधियों और पौधारोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर उपयोग करने और रिकॉर्ड को व्यवस्थित तरीके से रखने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुराने एवं अनुपयोगी सामान के उचित निस्तारण से परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ संसाधनों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। आईआईएम बोधगया की इन पहलों का उद्देश्य परिसर को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत चल रही गतिविधियां संस्थान में बेहतर व्यवस्था, संसाधनों के सदुपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

# लोकतंत्र बचाओ रैली में झारखंड कांग्रेस की व्यापक भागीदारी, केशव महतो कमलेश दिल्ली रवाना, सभी जिलों से हजारों कार्यकर्ताओं ने किया कूच

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**रांची।** दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होने के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश आज दिल्ली रवाना हुए। उनके साथ ही झारखंड के सभी जिलों से हजारों की संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता लोकतंत्र, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा के संकल्प के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। राज्य के विभिन्न जिलों से कांग्रेस कार्यकताओं का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला जारी है। कई जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता विशेष बसों के माध्यम से भी दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र बचाओ रैली को लेकर झारखंड के कांग्रेस कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने रैली में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।
जिला मुख्यालयों से लेकर प्रखंड स्तर तक कार्यकताओं ने दिल्ली कूच किया है। बसों, ट्रेनों एवं निजी वाहनों के माध्यम से हजारों की संख्या में कांग्रेसजन दिल्ली पहुंच रहे हैं। राकेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों, उसकी आवाज, उसकी स्वतंत्रता और संविधान की मूल भावना का सम्मान करने वाली व्यवस्था है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और देश की संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को बनाए रखना बेहद जरूरी है।
उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। आज जब लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर देशभर में गंभीर सवाल उठ रहे हैं, ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी जनता के बीच जाकर इन सवालों को मजबूती से उठा रही है। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित यह रैली लोकतंत्र की रक्षा और जनता के अधिकारों के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर अभिव्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। प्रदेश मीडिया प्रभारी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस की इस रैली में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो रही है।
राज्य के दूर-दराज के जिलों से भी कांग्रेस कार्यकताओं का उत्साह के साथ दिल्ली पहुंचना इस बात का परिचायक है कि पार्टी का संगठन लोकतांत्रिक मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करने के लिए एकजुट है। झारखंड के कांग्रेसजन इस रैली में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट मानना है कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज का सम्मान होना चाहिए, चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कायम रहना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए इन सवालों पर देशव्यापी चर्चा और जवाबदेही आवश्यक है। राकेश सिन्हा ने कहा कि झारखंड के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली के रामलीला मैदान में एकजुट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराएंगे। यह भागीदारी केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनता की आवाज को बुलंद करने की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

## समाचार सार

### हहाप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू, एक नवंबर को होगा फाइनल

**नामकुम (रफ्तार मीडिया संवाददाता):** हहाप पंचायत फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को हहाप मैदान में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पंचायत के मुखिया नन्हें कच्छप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं खेल का शुभारंभ कर किया। प्रतियोगिता के आयोजन से पंचायत क्षेत्र के खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है। मुखिया नन्हें कच्छप के प्रयास से इस फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इसका उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 1 नवंबर 2026 को खेला जाएगा। इस अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीम सहित खिलाड़ियों को विभिन्न पुरस्कारों के साथ खेल सामग्री भी प्रदान की जाएगी। उद्घाटन समारोह में सरिता देवी, विवेक रुंडा, बिरसा सेंडिल, विनोद कच्छप, मादी टोप्पो, अचू मुंडा, सोम्बरा पाहन, अर्जुन पाहन, सुरेश मुंडा, सुखराम स्वांसी, जगदीश महतो, लखींद्र महतो, सुरेश लोहरा, बीरेंद्र मुंडा और मदन तिग्गा सहित पंचायत के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रतियोगिता के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

### कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करना जिला प्रशासन की मुख्य प्राथमिकता, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान

**दुमका (रफ्तार मीडिया संवाददाता)।** जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विकास कार्यों में तेजी लाने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त ने सख्त तेवर दिखाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में देरी और मानदेय भुगतान में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के क्रम में आउटसोर्सिंग कर्मियों के बकाया मानदेय का मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए डीडीसी ने संबंधित एजेंसी को 3 दिनों के भीतर बकाया मानदेय भुगतान और विपत्र उपलब्ध कराने की अंतिम समयसीमा दी। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में आदेश का अनुपालन न होने पर एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान कल्याण छात्रावासों के निर्माण, जीर्णोद्धार और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। डीडीसी ने भवन प्रमंडल, एनआरईपी और ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल को लंबित निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूर्ण कर हैंडओवर करने का निर्देश दिया। वहीं, एकलव्य विद्यालयों में शिक्षा का स्तर बेहतर करने के लिए घंटी आधारित शिक्षकों का व्यवस्थित टाइम-टेबल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विद्यालयों, छात्रावासों और चिकित्सा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें ताकि मूलभूत सुविधाओं और साफ-सफाई में कोई कमी न रहे। बैठक में प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया, जबकि साइकिल वितरण योजना के तहत सभी योग्य छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराए जाने की पुष्टि की गई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत जरूरतमंदों के आवेदनों की त्वरित जांच और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के सुचारू क्रियान्वयन पर बल दिया गया। उप विकास आयुक्त ने अंत में कहा कि सरकार की प्राथमिकता पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ दिलाना है, और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में विभाग के कई वरीय पदाधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

### दीपावली और छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

**दुमका(रफ्तार मीडिया संवाददाता)।** जिले में दीपावली और लोक आस्था के महापर्व छठ को सुरक्षित, स्वच्छ और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में छठ घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, यातायात प्रबंधन और चक्रवाती परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर मेडिकल टीम, एंबुलेंस, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और प्रशिक्षित गोताखोरों की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा, बासुकीनाथ में शिवगंगा फिल्ट्रेशन प्लांट को क्रियाशील करने और अग्निशमन वाहनों की तैनाती के भी निर्देश दिए गए हैं। नगर परिषद दुमका और नगर पंचायत बासुकीनाथ को घाटों और पहुंच पथों की बेहतर साफ-सफाई तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग और रस्सी लगाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रहें। विद्युत विभाग को घाटों के आसपास तारों की जांच करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही, भीड़भाड़ नियंत्रित करने के लिए यातायात प्रबंधन, पार्किंग और रूट डायवर्जन की पुख्ता योजना तैयार की गई है। बैठक में वर्तमान चक्रवाती परिस्थितियों को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया। डीसी ने अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि चक्रवात से यदि फसलों या संपत्तियों का नुकसान होता है, तो उसका त्वरित आकलन कर प्रभावितों को राहत पहुंचाई जाए। वहीं, खाद्य सुरक्षा विभाग को त्योहारी सीजन के मद्देनजर मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार ने कहा कि पर्व के दौरान सुबह के समय श्रद्धालुओं के घरों से बाहर रहने पर चोरी जैसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए पुलिस गश्ती बढ़ाई जाएगी। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि सभी लोग पूरी आस्था और निश्चिंतता के साथ त्योहार मना सकें। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

# संक्षिप्त ख़बरें

## लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा को लेकर भाजपा की बैठक

रफ्तार मीडिया संवाददाता– बबलु मुश्ताक ..

अनगड़ा : आगामी 2 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रांची पूर्वी जिला अंतर्गत अनगड़ा एवं गेतलसूद मंडल की संयुक्त तैयारी बैठक मंडल अध्यक्ष सुनील महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहु ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर जुटने का आह्वान किया। बैठक में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा, पदयात्रा में कार्यकर्ताओं की भागीदारी और अधिक से अधिक लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए निर्धारित कार्यक्रम में पूरी ताकत के साथ भागीदारी निभाने का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रणधीर कुमार चौधरी एवं अमरनाथ चौधरी, जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व जिलाध्यक्ष जलैन्द्र कुमार,जिला महामंत्री मनोज चौधरी, जिला उपाध्यक्ष अनुराधा मुंडा एवं सुरेंद्र महतो, जनसंघ काल से संगठन में सक्रिय वरिष्ठ कार्यकर्ता देवनाथ महतो एवं ननकू महतो, हिमांशु शेखर चौधरी, विशेश्वर चौधरी, महामंत्री राजेंद्र महतो, अजय कुमार सिंह भोक्ता, उपाध्यक्ष संतोष कुमार महतो, धनेनाथ महतो, पुशनाथ मुंडा एवं परमेश्वर महतो उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनाथ महतो, जागेश्वर महतो, अजय महतो, कामेश्वर महतो, अगमलाल महतो सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया। सभी ने 2 नवंबर को मोरहाबादी में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

## विकास के दावों के बीच जलमग्न शिव मंदिर गली: उपाध्यक्ष के वार्ड में बदहाली से जूझ रहे लोग

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजामः नगर परिषद की विकास योजनाओं और जमीनी हकीकत का अंतर कानगोई के वार्ड संख्या 18 स्थित शिव मंदिर गली में साफ देखा जा सकता है, जहां महज दो दिनों की बारिश ने मुख्य सड़क तक जाने वाले रास्ते को तालाब में तब्दील कर दिया है। विडंबना यह है कि इस वार्ड का प्रतिनिधित्व खुद नगर परिषद उपाध्यक्ष कर रहे हैं, फिर भी स्थानीय निवासियों को जलजमाव के कारण घर से बाहर निकलने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। रामचंद्र ठाकुर, बासुदेव विंद, मदन कुमार, आमोद कुमार और शंकर चौधरी समेत अन्य निवासियों का कहना है कि यह समस्या पुरानी है और कई बैठकों के बावजूद प्रशासन से केवल खोखले आश्वासन ही मिले हैं। शुरुआती बारिश में ही पैदल चलना दूभर हो जाने से लोगों को डर है कि मानसून के दौरान स्थिति और भयावह हो जाएगी, जिसका सबसे बुरा असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने उपाध्यक्ष के अपने ही क्षेत्र की अनदेखी पर सवाल उठाते हुए नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि मामले को प्राथमिकता देकर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था और सड़क की मरम्मत तुरंत कराई जाए।

## शक की आग में उजड़ी जिंदगी: हिंदुस्तान केबल्स में युवक की निर्मम हत्या से सनसनी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : रिश्तों में संदेह की चिंगारी ने ऐसा खूनी रूप ले लिया कि सालानपुर थाना क्षेत्र के रूपनारायणपुर पुलिस फांड़ी अंतर्गत हिंदुस्तान केबल्स ओल्ड कॉलोनी में 28 वर्षीय अशोक कुमार सिंह उर्फ विक्की की लाठी, लोहे की रॉड और ईंटों से पीट पीटकर हत्या कर दी गई। घटना की मूल वजह इलाके के एक व्यक्ति की लापता पत्नी के लौटने के बाद विक्की पर जताया गया विवाहेतर संबंध का शक बनी वजह। गुरुवार रात पुराने क्वार्टर के समीप घात लगाए हमलावरों ने विक्की पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल युवक ने आसनसोल जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वारदात के बाद दूसरे राज्य भागने की फिराक में आसनसोल रेलवे स्टेशन पहुंचे दो नामजद आरोपियों, दीपक यादव और सुरेंद्र यादव को रूपनारायणपुर थाना प्रभारी सुमंगल सरकार के नेतृत्व में पुलिस ने आरपीएफ के सहयोग से दबोच लिया। मृतक की बुआ की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

# उपायुक्त और एसएसपी की कड़ी फटकार के बाद शुरू हुआ एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की सीलिंग मरम्मत का काम, स्मार्ट क्लास भी हुई शुरू

- कुछ महीने पहले बनी नई सीलिंग से टपक रहा था पानी, लापरवाही पर ठेकेदार को मिली सख्त चेतावनी
- सदर अस्पताल परिसर में बाउंड्रीवॉल बनने से प्रशिक्षु छात्राओं और महिला स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा हुई पुख्ता

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबादः धनबाद सदर एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में प्रशासनिक भवन और व्यवस्थाओं को सुधारने की दिशा में जिला प्रशासन ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा हाल ही में किए गए निरीक्षण के दौरान यह पाया गया था कि एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की सीलिंग (छत) से पानी टपक रहा है, जिसकी शिकायत छात्राओं ने भी की थी। उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले ही इस कक्ष की सीलिंग का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद छत से पानी टपकने और सीलन की गंभीर समस्याएं सामने आने लगी थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त और एसएसपी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उपायुक्त ने ठेकेदार को चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के सीलिंग की कमियों को दूर कर उच्च गुणवत्ता के साथ मरम्मत कार्य पूरा किया जाए, अन्यथा कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस कड़े रुख के बाद तुरंत प्रभाव से मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है।

छात्राओं की मांग पर शुरू हुई स्मार्ट क्लास

निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु छात्राओं ने डिजिटल स्मार्ट क्लास शुरू करने की मांग रखी थी, जिस पर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था सुनिश्चित करा दी। क्लास शुरू होते ही छात्राओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया है।

बाउंड्रीवॉल बनने से बढ़ी सुरक्षा

इसके अलावा, सदर अस्पताल परिसर में पहले चहारदीवारी (बाउंड्रीवॉल) न होने के कारण अवांछित तत्वों की आवाजाही बनी रहती थी, जिससे विशेषकर रात के समय ड्यूटी करने वाली महिला स्वास्थ्यकर्मियों और प्रशिक्षु एएनएम को असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। अब परिसर में बाउंड्रीवॉल का निर्माण पूरा होने से अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगी है, जिससे एक सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार हुआ है। छात्राओं ने इस त्वरित प्रशासनिक पहल के लिए भी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

# बिरनी में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विधायक नागेंद्र महतो ने आजाद तुरी को बनाया विधायक प्रतिनिधि

रफ्तार मीडिया।

बिरनी/गिरिडीहः बिरनी प्रखंड में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर बगोदर विधायक नागेंद्र महतो ने महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने बिरनी प्रखंड के परसबनी निवासी आजाद तुरी को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संबंधी मामलों के लिए अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

इस संबंध में विधायक नागेंद्र महतो ने 18 अक्टूबर 2026 को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बिरनी के नाम आधिकारिक पत्र जारी किया है। पत्र के माध्यम से आजाद तुरी, पिता रामदेव तुरी, ग्राम परसबनी, पोस्ट करसमा, पंचायत चोंगाखार, प्रखंड बिरनी, जिला गिरिडीह को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने की सूचना दी गई है।

विधायक द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बिरनी प्रखंड में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी जनसमस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से आजाद तुरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि विभागीय कार्यों के संचालन में जनहित से जुड़े आवश्यक मामलों पर विधायक प्रतिनिधि को सहयोग प्रदान करें।

इस मौके पर नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि आजाद तुरी ने कहा कि विधायक नागेंद्र महतो ने उन पर जो विश्वास जताते हुए जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। बिरनी प्रखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने, अस्पताल में मरीजों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर कराने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके समाधान की दिशा में हरसंभव पहल करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। जरूरतमंद मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वे संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे। विधायक नागेंद्र महतो की इस पहल के बाद बिरनी प्रखंड के लोगों को स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है। अब देखना होगा कि नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में कितना सुधार ला पाते हैं।

# ताराटांड़ के भंडारीडीह विद्यालय में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राजु मंडल रफ्तार मीडिया संवाददाता गांडेय

गांडेयः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार एवं डालसा, गिरिडीह के तत्वावधान में शुक्रवार को गांडेय प्रखंड के ताराटांड़ पंचायत स्थित यूपीएस भंडारीडीह में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एलएडीसी के डिप्टी चीफ गौरी शंकर सहाय एवं पैनल अधिवक्ता पुरुषोत्तम कुमार ने छात्र-छात्राओं को बाल विवाह और बाल शोषण के खिलाफ जागरूक किया। गौरी शंकर सहाय ने कहा कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर बुरा असर डालता है तथा कानूनन यह पूरी तरह वर्जित है। वहीं, अधिवक्ता पुरुषोत्तम कुमार ने बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाना समाज का दायित्व है।

मौके पर मुखिया यशोदा देवी, पीएलवी गोपाल राणा, आनंद पंडित, विवेक कुमार, वासुदेव पंडित सहित विद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

# जामताड़ा इंडोर स्टेडियम में जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन

- लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक और कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा
- युवाओं को सही दिशा, दशा और मार्गदर्शन देना हम सभी की जिम्मेदारी है : - उपायुक्त

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026-27 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार एवं अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इससे पूर्व अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। वहीं स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर उपायुक्त आलोक कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में युवाओं की बड़ी आबादी देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानकर उसे निखारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल रोजगार की तलाश करने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बने। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित झारखंड के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वही उपायुक्त ने कहा कि जामताड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आत्मविश्वास, परिश्रम और निरंतर अभ्यास से युवा अपनी मंजिल हासिल कर सकते हैं।

# दस वर्षों बाद हो रही झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करे सरकार : आबिद अली

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

राँचीः झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने आगामी 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार एवं झारखंड अधिविद्य परिषद से पूरी पारदर्शिता और कदाचारमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की है। आबिद अली ने कहा कि लगभग दस वर्षों के लंबे अंतराल के बाद झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित होने से राज्य के लाखों अभ्यर्थियों में काफी उत्साह और उम्मीद है। लंबे समय तक परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण अनेक अभ्यर्थियों की सरकारी शिक्षक बनने के लिए निर्धारित आयु सीमा भी पार हो चुकी है। ऐसे में यह परीक्षा उनके भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य के लगभग 5.65 लाख बीएड एवं डीएलएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की उम्मीदें इस परीक्षा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और झारखंड अधिविद्य परिषद की जिम्मेदारी है कि परीक्षा का आयोजन पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया जाए, ताकि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो और परीक्षा की विश्वसनीयता बनी रहे। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग एवं झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं को लेकर पूर्व में सामने आए विवादों के कारण अभ्यर्थियों के मन में जो आशंकाएँ हैं, उन्हें दूर करना भी आवश्यक है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था अभ्यर्थियों के लिए सुविधाजनक कदम है। अब प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी और कदाचार रोकने के पुख्ता इंतजाम हों। प्रश्नपत्र लीक होने, नकल और किसी भी प्रकार की अनियमितता की आशंका को समाप्त करने के लिए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। अंत में आबिद अली ने राज्य सरकार एवं झारखंड अधिविद्य परिषद से अपील की कि अभ्यर्थियों की वर्षों की प्रतीक्षा, मेहनत और भविष्य को ध्यान में रखते हुए झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा का सफल एवं निष्पक्ष आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

# गोविंदपुर की खुदिया नदी में मिला अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव

- सूचना के घंटे बीतने के बाद भी पुलिस शव के अपने कब्जे में नहीं लेने पर ग्रामीणों में फूटा आक्रोश

गोवर्धन रजक धनबादः

धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक बड़ी लापरवाही और संवेदनहीनता का मामला सामने आया है। गोविंदपुर-साहेबगंज रोड स्थित पुल के नीचे खुदिया नदी में एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत तैरता हुआ शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बावजूद समय पर पुलिस के नहीं अपने कब्जे लेने पर स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश देखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय कुछ ग्रामीण महिलाएं जब खुदिया नदी के पास गईं, तो उन्होंने पानी में एक शव को तैरते हुए देखा। इसके तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों के मुताबिक, दोपहर करीब साढ़े बारह बजे पुलिस को सूचना दे दी गई थी, लेकिन घंटों बीत जाने और शाम के चार बज जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुँच कर शव को कब्जे में नहीं लिया और न ही शव को पानी से बाहर निकाला गया।पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल, जनप्रतिनिधियों ने जताई नाराजगी घंटों तक शव के लावारिस हालत में पानी में पड़े रहने से स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ तीखा गुस्सा फूट पड़ा।

# जमीन विवाद में दूध पहुंचाने गए राम उरांव की गोली मारकर हत्या

- तीन आरोपी गिरफ्तार
- हत्या के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने ब्राम्बे चौक पर एनएच-39 किया जाम, सरकारी नौकरी और जमीन विवाद के निष्पादन समेत चार सूत्री मांगें रखीं

रफ्तार मीडिया।

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के टिको गांव में गुरुवार की रात करीब 8:30 बजे टिको डेयरी के समीप राम उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही मांडर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। इस मामले में मृतक की पत्नी झींगिया उराईन के बयान पर छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के अडरा गांव निवासी 50 वर्षीय रामजनम सिंह, 27 वर्षीय धुरवा सिंह और 32 वर्षीय तेज नारायण सिंह शामिल हैं। वहीं, श्याम सिंह उर्फ कारू सिंह, कुलदीप सिंह और तेजना सिंह फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हत्या के पीछे पुराना जमीन विवाद बताया जा रहा है। राम उरांव प्रतिदिन टिको टोली स्थित बालचंद महतो की डेयरी में दूध पहुंचाने जाते थे। गुरुवार की रात भी वह दूध पहुंचाने गए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि उनके सीने में गोली मारने के साथ छाती और सिर पर धारदार हथियार से भी हमला किया गया। गंभीर चोटों के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पश्चिम दिशा की ओर फरार हो गए। मृतक की पत्नी झींगिया उराईन ने प्राथमिकी में बताया है कि ठाकुरगांव अंचल के अडरा गांव में उनकी खतियानी जमीन है। करीब पांच एकड़ जमीन पर कब्जे को लेकर रामजनम सिंह, श्याम सिंह उर्फ कारू सिंह, कुलदीप सिंह, तेजना सिंह, विपिन सिंह और घूर्णन सिंह के साथ पिछले दस वर्षों से विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी उनके परिवार के लोग उक्त जमीन पर खेती के लिए जुताई करने जाते थे, तब आरोपितों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जाती थी। इसी जमीन विवाद के कारण हत्या की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। हत्या के विरोध में एनएच-39 जाम हत्याकांड से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर ब्राम्बे चौक स्थित रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग एनएच-39 को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर घंटों आवागमन बाधित रखा। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष चार सूत्री मांगें रखीं। इनमें हत्या के सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार के भरण-पोषण के लिए एक सदस्य को सरकारी नौकरी, हत्या के कारण बताए जा रहे जमीन विवाद का शीघ्र निष्पादन तथा अंतिम संस्कार के लिए तत्काल प्रशासनिक सहयोग देने की मांग शामिल थी।

# संक्षिप्त ख़बरें

## शिकारीपाड़ा में वन विभाग की बड़ी कार्रवाईः अवैध रूप से ले जाए जा रहे सिमल लकड़ी के 4 बोटे और 3 मोटरसाइकिल जब्त, लकड़ी माफियाओं में मचा हड़कंप।

शिकारीपाड़ा (दुमका)/ रफ्तार मीडिया। ललित कुमार पाल।

दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के नोपहाड़-सराईबिन्धा मार्ग पर वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान विभाग ने अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे सिमल प्रजाति के 4 बोटा लकड़ी और 3 मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ लोग जंगलों से पेड़ों की अवैध कटाई कर मोटसाइकिल के जरिए लकड़ी को ले जा रहे थे। इसी दौरान गश्त कर रही वन विभाग की टीम को देखकर तस्कर लकड़ी और मोटरसाइकिल वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गए। वन कर्मियों ने सभी जब्त वाहनों और लकड़ियों को कब्जे में लेकर शिकारीपाड़ा वन परिसर पहुंचा दिया है। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद क्षेत्र के लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मच गया है। वन विभाग की टीम ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि जंगलों की अवैध कटाई और लकड़ी का अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि वनों की सुरक्षा के लिए इस तरह की छापेमारी और कानूनी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

## गोड्डा में आज जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन, युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शित करने का मिलेगा मंच

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2027 के तहत 31 अक्टूबर 2026 को गोड्डा में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिला खेल कार्यालय, गोड्डा की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम मिशन चौक स्थित शुभदा बैंक्वेट हॉल में संपन्न होगा। इसमें जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दोपहर 12 बजे उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी लोकेश मिश्रा करेंगे। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, दोपहर 3 बजे आयोजित समापन समारोह में उप विकास आयुक्त विस्पुते श्री कांत यशवंत विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस युवा महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपनी कला, प्रतिभा, रचनात्मक सोच और कौशल दिखाने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से युवाओं को अपनी क्षमता पहचानने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला खेल पदाधिकारी ने जिले के युवाओं से इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

## छोरडवा बस्ती के आस पास भारी मात्रा में गांजे की खेती का मामला सामने आया है

तिसरी/गिरिडीह
रंजन कुमार , रफ्तार मीडिया

गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत लोकायनयनपुर थाना क्षेत्र के छोटकी लतबेदवा स्थित छोरडवा बस्ती के आस पास भारी मात्रा में गांजे की खेती का मामला सामने आया है। यहां घरों के आसपास और खेतों में गांजे के पौधे उगाए जाने की बात सामने आई है। कहीं अरहर की फसल के साथ तो कहीं खाली जमीन पर पौधे लगाए गए हैं। इस पूरे मामले ने लोकाय थाना ओर थानसिंगडीह ओपी थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध गांजा की खेती पर निगरानी और पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े कर दिए है। जानकारी के अनुसार नशे के खेती के कारोबार में जुटे एक रैकेट स्थानीय लोगों से करवाया जा रहा है।जिसमे स्थानीय सफेदपोश की संरक्षण प्राप्त है।जिसके कारण विगत कई वर्षों से गांजा की खेती की जा रही है। लोकाय थाना प्रभारी ने कहा कि गांजा की खेती होने की जानकारी नहीं है।अभी कही से सूचना मिला है ,कल पता लगाकर इस अवैध गांजा खेती करने वाला पर कार्रवाई की जाएगी। । जरूरत है कि पूरे मामले की जांच कर अवैध खेती में शामिल लोगों की पहचान की जाए और कानून के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है।

# सड़क दुर्घटना में नेक मददगार,राह विर की भूमिका अहम, समय पर सहायता से बच सकती हैं कई जानें : संतोष कुमार

- एमडीडीटीआई में रेलकर्मियों को सड़क सुरक्षा, गोल्डन ऑवर, प्राथमिक उपचार और आपदा प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया

रफ्तार मीडिया।

सड़क दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। दुर्घटना के बाद शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान सही समय पर प्राथमिक उपचार और आपातकालीन सहायता मिलने से घायल की जान बचाने तथा गंभीर परिणामों को कम करने में मदद मिल सकती है। उक्त बातें सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर एवं राष्ट्रपति सम्मानित सदस्य संतोष कुमार ने सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण के दौरान कहीं।

एमडीडीटीआई में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेलकर्मियों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, घटनास्थल पर बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, एम्बुलेंस सेवा और नेक मददगार (गुड समैरिटन) की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

संतोष कुमार ने बताया कि तेज गति से वाहन चलाना, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग, नशीले पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाना, थकान एवं नींद की स्थिति में ड्राइविंग, यातायात नियमों की अनदेखी,

हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना, खराब मौसम तथा सड़क की खराब स्थिति दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं।

घटनास्थल पर शुरुआती सहायता जीवनरक्षक

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों यानी बाईस्टैंडर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। दुर्घटना स्थल को सुरक्षित करना, तुरंत आपातकालीन सहायता बुलाना, घायल की स्थिति का आकलन करना और अत्यधिक रक्तस्राव को नियंत्रित करने जैसे कदम जीवनरक्षक साबित हो सकते हैं। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा सीपीआर देना भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, सिर या रीढ़ की चोट की आशंका होने पर घायल को अनावश्यक रूप से खींचकर या हिलाकर नहीं निकालना चाहिए। फ्रैक्चर की स्थिति में भी सावधानीपूर्वक प्राथमिक उपचार करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि कई बार कानूनी कार्रवाई का डर, पुलिस एवं अस्पताल की प्रक्रिया को लेकर भ्रम, समय की कमी, खून देखकर घबराहट और जिम्मेदारी लेने की आशंका के कारण लोग दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करने से पीछे हट जाते हैं। कई लोग यह सोचकर आगे नहीं आते कि कोई दूसरा व्यक्ति मदद कर देगा। ऐसी मानसिकता बदलने की जरूरत है।

नेक मददगारों को कानूनी संरक्षण

संतोष कुमार ने रेलकर्मियों को गुड समैरिटन यानी नेक मददगारों के अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की स्वेच्छा से सहायता करने वाले लोगों को कानून के तहत संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 134ए का उल्लेख करते हुए कहा कि नेक मददगारों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। सहायता करने वाले व्यक्ति को सामान्यतः व्यक्तिगत जानकारी देने या गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वह स्वेच्छा से गवाही देने का विकल्प चुन सकता है और लागू नियमों के अनुसार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी गवाही दे सकता है।

# प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार संताल पहुंचीं डॉ. सीमा सिंह, जामताड़ा में हुआ भव्य स्वागत

- संताल में महिलाओं की स्थिति बदतर, आदिवासी बहनों के साथ बढ़ रही घटनाएं : डॉ. सीमा सिंह

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा

जामताड़ा शहर के बुदूडीह स्थित भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह का संगठनात्मक प्रवास के तहत आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती, महिला मोर्चा की आगामी गतिविधियों और जिला कार्यसमिति के गठन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संताल परगना में उनका यह पहला प्रवास है। जामताड़ा में कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए स्वागत से वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि संताल परगना में महिलाओं की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। विशेषकर आदिवासी बहनों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं और क्षेत्र में अराजकता का माहौल बना हुआ है। प्रवास के दौरान कई महिलाओं से बातचीत हुई, जिन्होंने खुलकर अपनी समस्याएं और पीड़ा साझा की। इसी कारण उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अपना पहला दौरा संताल परगना से शुरू किया। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रवास मुख्य रूप से संगठनात्मक है। जिले में महिला मोर्चा की कार्यसमिति का गठन किया जाना है, जिस पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। भाजपा की संगठनात्मक परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी अंतिम पंक्ति में खड़े कार्यकर्ता से संवाद करती है और उनकी क्षमता एवं समर्पण के आधार पर जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को मैया सम्मान योजना के नाम पर ठग रही है।

# एसएसबी ने निकाली सतर्कता रैली,भ्रष्टाचार के खिलाफ दौड़े जवान

- ईमानदारी और पारदर्शिता का दिया संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक ..

रांची/ अनगड़ा : सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत शुक्रवार को 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रांची की ओर से वॉकाथॉन/मैराथन का आयोजन किया गया। कमांडेंट शाश्वत कुमार आईपीएस के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में वाहिनी के सभी अधिकारियों एवं जवानों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्मिकों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत करने के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहनशीलता का संदेश समाज तक पहुंचाना था। वॉकाथॉन/मैराथन में शामिल अधिकारियों एवं जवानों ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करे। इस आयोजन के माध्यम से एसएसबी के जवानों ने न केवल भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया, बल्कि अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य और सामूहिक सहभागिता का भी परिचय दिया।प्रतिभागियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी से यह संदेश देने का प्रयास किया कि राष्ट्र निर्माण में ईमानदारी और जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका है।कमांडेंट शाश्वत कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने अधिकारियों एवं जवानों को अपने कार्यक्षेत्र के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में भी नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन ईमानदारी, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने तथा भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

# दीपावली-छठ से पहले महागामा में मिठाई दुकानों पर छापेमारी, आठ प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य नमूने

रफ्तार मीडिया संवाददाता/ गोड्डा

दीपावली एवं छठ पूजा को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए महागामा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विशेष जांच अभियान चलाया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ. श्वेता अमृता लकड़ा एवं वैशाली कुमारी के नेतृत्व में विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल आठ मिठाई दुकानों से घी, खोवा, पेड़ा, पनीर, मिल्क केक और कलाकंद सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को रासायनिक जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठान बिना वैध खाद्य लाइसेंस अथवा समाप्त हो चुके लाइसेंस के आधार पर संचालित पाए गए। संबंधित दुकानदारों को एक सप्ताह के भीतर वैध लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर जुर्माना सहित कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने दुकानदारों को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की बिक्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

# लक्ष्मीकांत मुंडा हत्याकांड को लेकर भाजपा ने सरकार पर बोला हमला :एक सप्ताह का दिया अल्टीमेटम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांचीः आदिवासी राजस्व कर्मचारी स्वर्गीय लक्ष्मीकांत मुंडा की हत्या के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा ने हत्या को सरकार और पुलिस की लापरवाही का परिणाम बताते हुए एक सप्ताह के भीतर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयसीमा में गिरफ्तारी नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव ने कहा कि लक्ष्मीकांत मुंडा की निर्मम हत्या राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की विफलता का परिणाम है। उन्होंने इस हत्या के पीछे किसी सुनियोजित साजिश की आशंका भी जताई और पुलिस से सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच करने की मांग की। पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा मामले की जांच के लिए छह सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ मृतक के माता पिता, बहन, पत्नी और आसपास के लोगों से बातचीत की। जांच के दौरान मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मीकांत मुंडा सरल, मिलनसार और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका किसी से कोई विवाद नहीं था।

# मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की :अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया

रांचीः शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में शुप्रोजेक्ट भवन परिसर स्थित एनेक्सी भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा)की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में केंद्र प्रायोजित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं, जनभागीदारी और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही मौजूदगी

बैठक में राजमहल सांसद विजय हांसदा, देवघर विधायक सुरेश पासवान, धनबाद विधायक राज सिन्हा, मनोहरपुर विधायक जगत माझी, जमुआ विधायक मंजू कुमारी, लोहरदगा के सांसद प्रतिनिधि सीताराम भगत सहित समिति के नामित गैर सरकारी सदस्य और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण , प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियों से जुड़ी विस्तृत प्रस्तुति दी। योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने और ग्रामीण क्षेत्रों में इनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई।

जमीनी समस्याओं के समाधान पर मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने दिया दिशा निर्देश

इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं समिति के गैर सरकारी सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के संचालन के दौरान आम लोगों को हो रही परेशानियों, तकनीकी बाधाओं और स्थानीय समस्याओं को उठाया। सदस्यों के सुझावों और शिकायतों पर गंभीरता से विचार करते हुए मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी स्वयं धरातल पर जाकर योजनाओं की स्थिति का जायजा लें और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

नई योजनाओं के प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने सभी संबंधित विभागों को केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ निर्धारित समयसीमा में होना चाहिए। इसके अलावा राज्य के समग्र एवं समावेशी विकास के लिए नई योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त करने के उद्देश्य से ठोस कार्ययोजना तैयार करने और संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने का भी निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आजीविका के नए अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

संपादकीय

## कूनो के चीते को किसने मारी गोली

**अभिमत**

जब विदेश से लाए गए इन चीतों को संरक्षित वन क्षेत्र में रखा गया है और नियमित तौर पर इनकी निगरानी करने की व्यवस्था है, तो फिर इनकी सुरक्षा में इस तरह की चूक कैसे हो सकती है !

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से निकलकर मुरैना पहुंचे उन्नीस माह के चीते की गोली लगने से मौत की घटना ने भारत में चीतों को फिर से बसाने की महत्त्वाकांक्षी परियोजना की निगरानी पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच का विषय सिर्फ यह नहीं है कि इस चीते को गोली किसने मारी, बल्कि इस बात की भी गहराई से तहकीकात की जानी चाहिए कि आखिर यह वन्य प्राणी राष्ट्रीय उद्यान के अपने आवास स्थल से बाहर कैसे निकला।

जब विदेश से लाए गए इन चीतों को संरक्षित वन क्षेत्र में रखा गया है और नियमित तौर पर इनकी निगरानी करने की व्यवस्था है, तो फिर इनकी सुरक्षा में इस तरह की चूक कैसे हो सकती है ! प्रदेश सरकार ने इस घटना की छानबीन के लिए विशेष जांच दल गठित किया है और केंद्र सरकार ने भी उच्चस्तरीय दल जांच के लिए भेजा है। मगर सवाल है कि शासन के स्तर पर जिस तरह की गंभीरता एवं सक्रियता अब दिखाई जा रही है, वह घटना से पहले जमीन पर क्यों नहीं दिखी?

गौरतलब है कि यह चीता बीते 25 अक्टूबर को संरक्षित वन क्षेत्र से बाहर मुरैना में घायल अवस्था में मिला था। उसे उपचार के लिए जबलपुर ले जाया गया, लेकिन दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। इसके शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उसे गोली लगी थी। जांच दलों के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि इस चीते को गोली किसने और किन परिस्थितियों में मारी। क्या यह रिहायशी इलाके में घुस आया था या फिर शिकारियों की गोली का निशाना बना?

साथ ही इसकी भी गहराई से छानबीन होनी चाहिए कि यह चीता कूनो राष्ट्रीय उद्यान से बाहर कैसे निकला और इसका पता निगरानी का जिम्मा संभाले अधिकारियों को क्यों नहीं चल पाया। अगर उन्हें इसकी जानकारी थी, तो चीते को खोजने के लिए क्या कदम उठाए गए? यह सवाल इसलिए अहम है कि जिस चीते की मौत हुई, उसके गले में रेडियो कॉलर लगा था, जिसकी मदद से उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकती थी। ऐसे में विभागीय स्तर पर भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो।

### इतिहास

## क्या-क्या हुआ

- स्वामी दयानंद सरस्वती का निधनः 1883 में आर्य समाज के संस्थापक और महान समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन हुआ।
- होमी जहांगीर भाभा का जन्मः 1909 में भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक और महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा का जन्म हुआ था।
- लाला लाजपत राय पर लाठीचार्जः 1928 में साइमन कमीशन का विरोध करते समय लाहौर में लाला लाजपत राय पर पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।
- मजबूर फिल्म की रिलीजः 1948 में महान पाशर्व गायक किशोर कुमार ने बतौर अभिनेता अपनी पहली फिल्म 'मजबूर' से शुरूआत की।
- भारत का पहला पनडुब्बी बेसः 1971 में भारतीय नौसेना के पहले पनडुब्बी बेस 'आईएनएस वीरबाहु' को विशाखापत्तनम में कमीशन किया गया।
- मल्टी-चैनल टीवी प्रसारणः 1984 में भारत के राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन ने अपने नेटवर्क पर तीसरे चैनल की शुरूआत की।
- अवधेश कौशल को पद्म श्रीः 2003 में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश कौशल को उनके मानवाधिकार और पर्यावरण कार्यों के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया।
- जॉन एडम्स का जन्मः 1735 में अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति और देश के संस्थापक पिताओं में से एक जॉन एडम्स का जन्म हुआ था।
- रेड क्रॉस की नींवः 1863 में जिनेवा में 18 देशों के प्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति की स्थापना के लिए आधारशिला रखी।
- पहला ऑटोमोबाइल पेटेंटः 1893 में चार्ल्स ड्यूरिया और उनके भाई जे. फ्रैंक ड्यूरिया ने अमेरिका में पहली सफल गैस से चलने वाली कार का पेटेंट कराया।
- ओटोमन साम्राज्य का अंत (प्रथम विश्व युद्ध): 1918 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ओटोमन साम्राज्य ने मित्र राष्ट्रों के साथ मुद्रोस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त हुआ।
- बेनिटो मुसोलिनी का उदयः 1922 में बेनिटो मुसोलिनी ने इटली के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला और देश में फासीवादी शासन की शुरूआत की।

### कविता

## बैलेट पेपर भी नहीं जिता पाए

बैलेट पेपर की माँग उठी, ईवीएम पर उँगली उठी,
हार मिली सवाल अनेक, जीत मिले वाह अनेक !
कभी मशीनों पर दोष मढ़ा, जनता से नाता तोड़ा,
जनता ने फैसला सुनाया, नेताओं ने शोर मचाया।

हो बंगाल व बिहार का रण, जनता ने चुना शासन,
वादों-नारों की दुनिया में,किसने जीता जनता मन?
राहुल सड़कों पे निकले, ईवीएम के सवाल उछले,
बैलेट पेपर से जीत मिलेगी, जनता सोच बदलेगी?

केरल में सवाल खड़े हैं,कांग्रेस के सपने कहाँ पड़े?
गठबंधन नाव डगमगाती, ना 'किनारे-भँवर' जाती।
समाजवादी राह चले, बसपा के भी क्या दाँव चले,
विपक्षी एकता निराली, चुनाव लिखें अलग कहानी।

जनता को काम व विकास, महँगाई राहत व आस,
रोजगार, शिक्षा व सम्मान, यही हैं असली अरमान।
हार हुई तो मंथन करिए, जन-मन का चिंतन करिए,
मशीनें दोषी ठहराने से, नहीं बदलेंगे हार के मायने !

बैलेट या ईवीएम दौर, जनता निर्णय का बड़ा जोर,
लोकतंत्र में जनता महान,फैसले को करिए प्रणाम।
नतीजा हार-जीत नहीं, ये जनता का संदेश है भाई,
जो जनता मन पढ़ पाएगा, वही परचम लहराएगा !

संजय एम तराणेकर
लेखक

लोक मुद्दा

## भारत की शाश्वत पहचान है हिंदुत्व

भारत केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित होती एक जीवंत सभ्यता है। इसकी पहचान नदियों, पर्वतों, नगरों और सीमाओं के साथ उन विचारों, संस्कारों और परंपराओं से बनती है, जिन्होंने पीढ़ियों को आपस में जोड़ा है। भारत की इसी सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का एक दृष्टिकोण हिंदुत्व है। इस संदर्भ में हिंदुत्व का अर्थ हिंदू सभ्यता से विकसित उस व्यापक सांस्कृतिक चेतना से है, जिसमें जीवन के प्रति श्रद्धा, कर्तव्यबोध, आध्यात्मिक खोज और लोककल्याण का भाव समाहित है। 'भारत की पहचान हिंदुत्व' का विचार अपनी सार्थकता तब प्राप्त करता है, जब वह सांस्कृतिक आत्मबोध के साथ प्रत्येक भारतीय की समान गरिमा को स्वीकार करे। भारत अनेक धर्मों, भाषाओं और समुदायों का साझा देश है। इसलिए उसकी सांस्कृतिक जड़ों का सम्मान और उसकी विविधता का आदर एक साथ चलना चाहिए। अपनी विरासत पर गर्व का श्रेष्ठ रूप वह है, जो हमें आत्मविश्वासी, उदार और उत्तरदायी बनाए तथा देश के प्रत्येक नागरिक में अपनत्व का भाव जगाए।

सुरेन्द्र शर्मा

सावरकर के अनुसार हिंदू वह है जो भारत को अपनी पितृभूमि, अर्थात पूर्वजों की भूमि, और पुण्यभूमि, अर्थात अपनी धार्मिक परंपरा की उद्गमभूमि, दोनों माने। इसलिए उनकी अवधारणा में भूगोल के साथ धार्मिक-सांस्कृतिक संबंध भी आवश्यक था। उन्होंने हिंदुत्व के आधारों में साझा राष्ट्र, साझा वंशगत संबंध तथा साझा संस्कृति को प्रमुखता दी। संस्कृति के अंतर्गत भाषा, साहित्य, कला, इतिहास, संस्कार और उत्सव आते थे। उनका वंश संबंधी विवेचन विभिन्न समुदायों के ऐतिहासिक मेल को भी स्वीकार करता है।

भारत की सभ्यता की एक विशिष्ट विशेषता सत्य की खोज रही है। यहाँ जीवन के गहरे प्रश्नों पर चिंतन हुआ—मनुष्य कौन है, उसका कर्तव्य क्या है और जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए? वेदों, उपनिषदों, गीता तथा विभिन्न दर्शन-परंपराओं में इन प्रश्नों के अनेक उत्तर मिलते हैं। विचारों की यह बहुलता भारतीय बौद्धिक जीवन की समृद्धि है। सांस्कृतिक अर्थ में हिंदुत्व की शक्ति इसी जिज्ञासा में देखी जा सकती है, जहाँ श्रद्धा के साथ प्रश्न करने और समझने के लिए भी स्थान हो।

हिंदू परंपरा में धर्म का संबंध पूजा-पद्धति के अतिरिक्त आचरण और कर्तव्य से भी है। सत्य बोलना, न्याय करना, निर्बल की सहायता करना, माता-पिता की सेवा करना और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना धर्म के व्यावहारिक रूप हैं। इस दृष्टि से हिंदुत्व की पहचान व्यक्ति के व्यवहार में प्रकट होनी चाहिए। मंदिर में प्रार्थना के साथ समाज के दुख को समझना और उसे दूर करने का प्रयास करना हमारी सांस्कृतिक चेतना को जीवन में उतारता है।

'वसुधैव कुटुम्बकम्' का भाव भारतीय चिंतन की व्यापकता का सुंदर परिचायक है। समस्त पृथ्वी को परिवार मानने वाली दृष्टि हमें अपने हितों के साथ दूसरों की आवश्यकताओं और सम्मान के प्रति भी संवेदनशील बनाती है। परिवार में मतभेद हो सकते हैं, फिर भी संबंधों का आधार आत्मीयता रहती है। इसी प्रकार समाज में विविध विश्वासों और जीवन-पद्धतियों के बीच संवाद बना रहना चाहिए। अपने धर्म के प्रति निष्ठा और दूसरे की आस्था के प्रति सम्मान, दोनों मिलकर सामाजिक सद्भाव को मजबूत करते हैं।

भारत की सांस्कृतिक एकता उसकी विविध अभिव्यक्तियों में दिखाई देती है। अलग-अलग क्षेत्रों के मंदिर, लोकदेवता, उत्सव, कथाएँ और भाषाएँ अपनी विशिष्टता रखते हुए भी अनेक साझा सूत्रों से जुड़े हैं। रामायण और महाभारत की कथाएँ विभिन्न भाषाओं और कलाओं में नए रूप ग्रहण करती रही हैं। इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान ने भारत की पहचान को समृद्ध और उसकी आत्मीय एकता को सुदृढ़ किया है।

इस विरासत का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व सामाजिक समरसता है। यदि हम प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वरीय अंश देखते हैं, तो जन्म और जाति के आधार पर अपमान या भेदभाव का कोई औचित्य नहीं रह जाता। संतों और समाज-सुधारकों की अनेक धाराओं ने मानव गरिमा, भक्ति और समानता पर बल दिया है। शिक्षा, सम्मान, अवसर और सार्वजनिक जीवन में समान भागीदारी सुनिश्चित करना सांस्कृतिक एकता की ठोस कसौटी है। समरस समाज ही सशक्त राष्ट्र का आधार बनता है।

भारतीय सांस्कृतिक चेतना में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भी विशेष स्थान है। नदियों, वृक्षों, पर्वतों और जीव-जंतुओं के प्रति श्रद्धा मनुष्य को अपने परिवेश से जोड़ती है। वर्तमान समय में इस भावना को पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में बदलना आवश्यक है। नदी को माता मानने का संकल्प उसकी स्वच्छता की जिम्मेदारी लेने में दिखाई देना चाहिए। वृक्षों के प्रति सम्मान पौधरोपण और उनकी देखभाल में प्रकट हो। जल बचाना, प्रदूषण घटाना और संसाधनों का संयमित उपयोग हमारी परंपरा को समकालीन अर्थ देते हैं।

नारी के प्रति सम्मान भी हमारी सांस्कृतिक पहचान की महत्वपूर्ण कसौटी है। शक्ति, ज्ञान और समृद्धि के स्त्री स्वरूपों की आराधना करने वाला समाज महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वतंत्र निर्णय और नेतृत्व के अवसरों के प्रति सजग रहे। मातृशक्ति का सम्मान दैनिक व्यवहार और संस्थागत व्यवस्थाओं में दिखाई देना चाहिए। बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर देना, महिलाओं की उपलब्धियों को स्वीकार करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना सांस्कृतिक मूल्यों की सार्थक अभिव्यक्ति है। इससे परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों मजबूत होते हैं।

सेवा की भावना भारतीय जीवन-दृष्टि को धरातल देती है। भूखे को भोजन, रोगी को उपचार, विद्यार्थी को शिक्षा और संकटग्रस्त व्यक्ति को सहारा देना लोककल्याण के प्रत्यक्ष कार्य हैं। राष्ट्र के प्रति प्रेम अपने आसपास के लोगों के प्रति जिम्मेदारी से शुरू होता है। हमारा संविधान सभी नागरिकों की समानता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इन मूल्यों का सम्मान राष्ट्रीय एकता को विश्वसनीय आधार देता है। इसी प्रकार परंपरा के प्रति सम्मान हमें अध्ययन, अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रेरित करे। युवा अपनी भाषाओं, साहित्य और इतिहास को जानें तथा आधुनिक विज्ञान और तकनीक में उत्कृष्टता प्राप्त करें। अपनी जड़ों से जुड़ा समाज भविष्य के प्रति अधिक आत्मविश्वास से बढ़ सकता है।

इस प्रकार 'भारत की पहचान हिंदुत्व' को सांस्कृतिक उत्तरदायित्व के रूप में समझा जा सकता है। इसकी श्रेष्ठ अभिव्यक्ति सत्य, करुणा, सेवा, समरसता और कर्तव्यनिष्ठा में होगी। भारत की सभ्यतागत विरासत का गौरव तभी सार्थक होगा, जब उसका प्रकाश हर नागरिक के जीवन तक पहुँचे। ऐसा आत्मबोध हमें अपनी परंपराओं से शक्ति लेने, अपनी कमियों को सुधारने और सबके लिए सम्मानपूर्ण भविष्य बनाने की प्रेरणा देता है। यही भावना भारत की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रख सकती है और राष्ट्र को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आधार दे सकती है।

स्वामी विवेकानंद के विचारों में हिंदू धर्म का गौरव, वेदांत की व्यापकता, आत्मविश्वास और मानवसेवा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। 11 सितंबर 1893 के शिकागो भाषण में उन्होंने हिंदू धर्म के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि इसकी परंपरा विश्व को सहिष्णुता और सभी धर्मों की स्वीकृति सिखाती है। उनके लिए अपनी आस्था के प्रति निष्ठा के साथ दूसरी आस्थाओं का आदर भी आवश्यक था, उनकी व्याख्या में प्रत्येक व्यक्ति के भीतर दिव्यता मौजूद है। इसी आधार पर वे मनुष्य को स्वयं को दुर्बल और असमर्थ मानने से ऊपर उठने की प्रेरणा देते हैं। चाहते थे कि वेदांत का आदर्श दैनिक जीवन में दिखाई दे। आध्यात्मिक ज्ञान के नाम पर किसी व्यक्ति या वर्ग द्वारा श्रेष्ठ अधिकार का दावा करने की उन्होंने आलोचना की। उनके अनुसार, व्यवसाय या सामाजिक स्थिति अलग होने से किसी मनुष्य का आध्यात्मिक मूल्य कम नहीं होता; वही दिव्यता सभी में है। शिकागो धर्म संसद के अंतिम संबोधन में उन्होंने धार्मिक परंपराओं के बीच सहयोग और सामंजस्य की कामना की। उनका विचार था कि अपनी विशिष्टता बनाए रखते हुए दूसरे से अच्छी बातें ग्रहण की जा सकती हैं। भारत के मनीषियों भारत के विद्वानों और भारत माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आधार पर स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि हिंदुत्व भारत की जीवन पद्धति है, जो सनातन काल से चली आ रही है सनातन इसकी आत्मा है और हिंदुत्व शरीर इन्हें एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। समस्त चराचर के कल्याण की अगर किसी ने कामना की है तो वह हिंदुत्व है।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः,सर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित दुखात भवेत्।"
यह भाव अगर कहीं है तो हिंदुत्व में है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी ने अपनी कविता 'हिंदू तनमन, हिंदू जीवन' में लिखा है...

"होकर स्वतंत्र मैंने कब चाहा है ,कर लूं जग को गुलाम?
मैंने तो सदा सिखाया करना, अपने मन को गुलाम।
गोपाल-राम के नामों पर , कब मैंने अत्याचार किए?
कब दुनिया को हिन्दू करने घर-घर में नरसंहार किए?
कोई बतलाए काबुल में जा कर ,कितनी मस्जिद तोड़ीं?
भूभाग नहीं, शत-शत मानव के हृदय जीतने का निश्चय।
हिन्दू तन-मन, हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय!"

कुछ लोग जो किसी राजनैतिक स्वार्थवश ,हिंदू होते हुये भी स्वयं को हिंदू कहने में संकोच करते हैं उनके लिये अटल जी ने लिखा है।

"हिंदू कहने में शमार्ते, दूध लजाते, लाज न आती?
घोर पतन है, अपनी माँ को माँ कहने में फटती छाती!"

सबके कल्याण की भावना का भाव ही हिंदुत्व है,कंकर में शंकर देखने का भाव ही हिंदुत्व है,प्राणियों में सद्भावना का भाव ही हिंदुत्व है ।

धर्म की जय हो,अधर्म का नाश हो का भाव ही हिंदुत्व है।
विश्व का कल्याण हो का भाव ही हिंदुत्व है।

लोक विचार

## संस्कृति के गौरव और फैशन की दौड़ के बीच उलझता भारतीय समाज

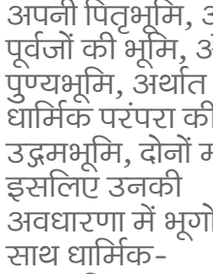

हर्षा मनोज अग्रवाल

आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ते समाज में यह बहस महत्वपूर्ण हो गई है कि बदलते समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को किस तरह सुरक्षित रखा जाए।

भारत में एक ओर समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक तीज-त्योहारों और महापुरुषों के जीवन प्रसंगों के माध्यम से सांस्कृतिक गौरव को प्रमुखता दी जाती है, वहीं दूसरी ओर बदलती जीवनशैली और फैशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर सामाजिक मूल्यों तथा परंपराओं के संरक्षण पर सवाल उठ रहे हैं। आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ते समाज में यह बहस महत्वपूर्ण हो गई है कि बदलते समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को किस तरह सुरक्षित रखा जाए।

भारतीय संस्कृति का आधार खान-पान, रहन-सहन और वेशभूषा जैसे जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। समय के साथ इन तीनों क्षेत्रों में बदलाव आया है। आधुनिक फैशन और नई जीवनशैली ने लोगों की पसंद, पहनावे और खान-पान को प्रभावित किया है। इसी बदलाव को लेकर यह सवाल उठाया जा रहा है कि आधुनिकता की स्वीकार्यता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। फैशन के बदलते स्वरूप, उसके प्रभाव और समाज में उसे मिल रही स्वीकृति को लेकर भी चर्चा की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इस बहस का एक प्रमुख पक्ष वेशभूषा में आ रहा बदलाव है। कुछ लोग आधुनिक पहनावे को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बदलते समय की जरूरत से जोड़कर देखते हैं, जबकि

परंपरागत जीवनशैली के समर्थक इसे सांस्कृतिक मूल्यों के संदर्भ में परखने की बात करते हैं। इसी तरह खान-पान की बदलती आदतों और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर भी चिंता व्यक्त की जाती है। हालांकि, खान-पान या पहनावे में बदलाव को अपने आप में सांस्कृतिक पतन मानने के बजाय उसके सामाजिक प्रभावों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संदर्भ में समझना भी जरूरी है।

इस विषय से जुड़ा एक सवाल यह भी है कि फैशन और आधुनिक जीवनशैली को समाज में लोकप्रिय बनाने में बाजार, विज्ञापन, मनोरंजन जगत और बदलते सामाजिक परिवेश की क्या भूमिका है। आखिर नई पीढ़ी की पसंद किस तरह आकार ले रही है और पारंपरिक मूल्यों के प्रति उसका दृष्टिकोण कैसे बदल रहा है? इन सवालों पर गंभीर चर्चा के साथ ही यह समझना आवश्यक है कि सांस्कृतिक बदलाव किसी एक कारण या वर्ग का परिणाम नहीं होते, बल्कि उनके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां काम करती हैं।

भारत के संविधान में नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता सहित विभिन्न अधिकार प्रदान किए गए हैं। ऐसे में यह सवाल भी चर्चा का विषय है कि आधुनिकता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण की भूमिका क्या होनी चाहिए। समाज के आर्थिक रूप से संपन्न वर्ग की जीवनशैली, उपभोग की आदतों और फैशन के प्रभाव पर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि संविधान के लचीलेपन का लाभ उठाकर कोई विशेष वर्ग जानबूझकर संस्कृति को नुकसान पहुंचा रहा है।

भारत की सांस्कृतिक पहचान उसकी विविधता, परंपराओं और अलग-अलग जीवनशैलियों से मिलकर बनी है। ऐसे में बदलते समय के साथ अपनी विरासत को सहेजने की चुनौती को केवल फैशन या पहनावे तक सीमित नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात पर विचार करने की है कि आधुनिकता को अपनाते हुए सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक समझ और पारंपरिक विरासत के प्रति सम्मान कैसे बनाए रखा जाए। सांस्कृतिक गौरव और आधुनिक जीवनशैली के बीच संतुलन स्थापित करना ही इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है।

**लेखिका- जमीन से जुड़ी सामाजिक चिंतक है।**

ओडिशा के गंजाम में ब्रह्मपुर के जलमग्न इलाके। यहां बारिश के बाद बाढ़ से जनजीवन पर असर पड़ा है।

# अर्नब का असर...एमपी-यूपी समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश जारी

### » रेड और ऑरेंज अलर्ट भी... ठंडी हवाओं से दिन के तापमान में गिरावट आई

विशाखापट्टनम, भोपाल, नई दिल्ली, एजेंसी

चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए, 14 राज्यों में रेड-ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और ठंडी हवाओं से कई राज्यों में दिन के तापमान में गिरावट आई है।

ओडिशा के 3 जिलों गंजाम, गजपति और कंधमाल में बाढ़ आ गई। गंजाम के 300 गांवों का संपर्क टूट गया है। गंजाम और गजपति जिलों में करीब 62 हजार लोग बाढ़ में फंसे हैं। NDRF की 54 टीमें 120 लोगों को एयरलिफ्ट कर चुकी हैं।दिल्ली में देर रात बारिश हुई। अधिकतम तापमान 25.4°C दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले से 6.4°C कम और पिछले चार साल में अक्टूबर का सबसे कम अधिकतम तापमान है।

### मप्र में 2 नवंबर तक रहेगा असर...ग्वालियर, जबलपुर समेत 33 जिले अलर्ट पर रहेंगे

मध्य प्रदेश में दो दिन से चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर बना हुआ है। मऊगंज में आज सुबह से रिमझिम बरसात हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, 2 नवंबर तक प्रदेश में बारिश हो सकती है। आज ग्वालियर-जबलपुर समेत 33 जिलों में तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश होने की संभावना है। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते गुरुवार को दिन का तापमान 2 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए राजगढ़, विदिशा, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, नैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में अलर्ट जारी किया है। वहीं, भोपाल, रायसेन, सीहोर, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में मौसम साफ रहने और धूप निकलने की उम्मीद है।

## न्यूज ट्रेक

### आईडीबीआई की बिक्री पर राहुल का तंज... कांग्रेस के समय बैंक बनते थे अब बिकते हैं

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों के निजीकरण को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक व आर्थिक घमासान तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों को एक औपचारिक संदेश जारी कर बैंक के निजीकरण के सरकारी फैसले का कड़ा विरोध किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस के समय में IDBI बना - देश का उद्योग खड़ा करने के लिए। मोदी के समय में पहले बोली देखी गई, फिर दाम तय हुआ। कांग्रेस के time पे बैंक बनते थे। मोदी के time में बिकते हैं। मैं IDBI बैंक के कर्मचारियों के साथ खड़ा हूं। '

### केजीबीवी शिक्षकों को अब मिलेगा 17 हजार रुपये मासिक मानदेय

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने प्रदेश सरकार को चार माह के भीतर शिक्षकों के पद स्वीकृत अथवा सृजित करने और उनकी सेवा शर्तें नियमित शिक्षकों के समान बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने नियमितीकरण के दावों पर भी शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता और सेवा अवधि के आधार पर कानून के अनुसार विचार करने को कहा है। अर्चना बुध व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने निर्देश दिया कि जब तक सरकार आवश्यक कदम नहीं उठा लेती, तब तक सभी केजीबीवी शिक्षकों को निर्णय की तारीख से 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। उन्हें निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 24(2) के तहत सेवा संबंधी संरक्षण भी मिलेगा।

### हिमांशु भाऊ और काला असौदिया गैंग का बदमाश दिल्ली पुलिस के हाथों गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने हिमांशु भाऊ और काला असौदिया गैंग से से जुड़े एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी 30 वर्षीय मनीष उर्फ अजय उर्फ भोला के रूप में हुई है। वह हत्या और डकैती के दो मामलों में फरार चल रहा था और अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं।दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के अनुसार, स्पेशल स्टाफ को 27 अक्टूबर की रात सूचना मिली थी कि एक बदमाश अवैध हथियार लेकर जौनापुर स्थित नीम करोली, मंडी रोड के पास आने वाला है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बदमाश को दबोच लिया।

### बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई... 'कोहीनूर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज' के चार ठिकानों पर छापामारी

कोलकाता। आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक साथ चार प्रमुख इलाकों, हावड़ा, उत्तरपाड़ा, लेक टाउन और आसनसोल में तलाशी अभियान चला रही है।केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमें एक साथ इन चारों जगहों पर पहुंचीं और संबंधित परिसरों को सुरक्षा बलों के घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी है।सूत्रों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई 'कोहीनूर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज' के चार्टर्ड अकाउंटेंट और उनके करीबी सहयोगियों के आवासों पर की जा रही है। चारों ठिकानों पर सुबह-सुबह पहुंचे अधिकारियों ने वित्तीय रिकॉर्ड, हार्ड डिस्क और डिजिटल उपकरणों को अपने कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है।सूत्रों के अनुसार, कंपनी पर पावर प्लांट लगाने के नाम पर बैंकों से करोड़ों रुपये का लोन लेने का आरोप है। आरोप है कि प्लांट स्थापित करने के बजाय इस फंड को सुनियोजित तरीके से कई शेल कंपनियों के खातों में ट्रांसफर किया गया था।

### आय से अधिक संपत्ति मामला...दानापुर अवर निबंधक सस्पेंड, गहने और महंगी घड़ियां मिली

पटना। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दानापुर की अवर निबंधक कुमारी स्वीटी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की छापेमारी के करीब एक माह बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। कुमारी स्वीटी और उनके पति रविन्द्र कुमार दिवाकर पर लगभग एक करोड़ छह लाख 85 हजार 900 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।रविन्द्र कुमार दिवाकर पटना में अपर समाहर्ता (आपूर्ति) के पद पर तैनात हैं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अफसर दंपती के ठिकानों पर हुई छापेमारी के दौरान करीब 70 लाख रुपये नकद मिले थे। इसके अलावा महंगी घड़ियां और गहने भी बरामद किए गए थे। जांच के दौरान दानापुर में दो फ्लैट होने की जानकारी भी सामने आई थी।

## 48 घंटे के बंद का ऐलान

# मणिपुर के कांगपोकपी से दो युवक लापता, नगा समुदाय पर अपहरण का आरोप

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में दो युवक लापता हो गए हैं। इसके बाद कुकी समुदाय के संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने 48 घंटे के बंद का ऐलान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।लापता युवकों की पहचान 21 साल के खांगगिनलुन चोंगलोई और 20 साल के पाओगिनलाल हैंगसिंग के रूप में हुई है। दोनों बुधवार शाम ताफू कुकी गांव के पास से लापता हुए थे।

आरोप लगाया कि दोनों युवकों का अपहरण नगा समुदाय के लोगों ने किया है। संगठन ने घटना की निंदा करते हुए दोनों की सुरक्षित रिहाई की मांग की है। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों युवकों का अब तक कोई पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है।

### संगठन ने युवकों की रिहाई की मांग की

संगठन ने दोनों युवकों की तत्काल, सुरक्षित और बिना किसी शर्त रिहाई की मांग की है। संगठन ने सरकार से उन्हें बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील भी की है।मणिपुर में 3 मई 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसके बाद राज्य में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।ह्यूमन राइट्स वॉच के सितंबर 2026 के आकलन के मुताबिक, इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 60 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए।

# छिंदवाड़ा में मां की जान बचाने तेंदुए से भिड़ा बेटा, 25 मिनट के संघर्ष के बाद चंगुल से छूटे

छिंदवाड़ा,

जिले के सांवरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत मुजावर माल गांव में मां- बेटे पर तेंदुए के हमले की घटना सामने आई है। बकरियों को बांधकर लौट रही महिला पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। मां की चीख सुनकर बेटा मौके पर पहुंचा और अपनी जान की परवाह किए बिना तेंदुए से भिड़ गया करीब 20 से 25 मिनट तक संघर्ष चला।

बेटे ने मां को तेंदुए के चंगुल से छुड़ा लिया। हमले में मां और बेटा दोनों घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बकरियों के बाड़े से लौट रही थी। मुजावर माल गांव निवासी गीता बाई घर से करीब 100 मीटर दूर बने बाड़े में बकरियों को

बांधने गई थीं। काम पूरा कर जब वह वापस लौट रही थीं, तभी अचानक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया।हमले के दौरान महिला की चीख सुनकर उनका बेटा सनोज तुरंत मौके पर पहुंचा और मां को बचाने तेंदुए से भिड़ गया। सनोज ने साहस और मां के प्रति अपने प्रेम का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी जान बचाई7 घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है।

### वन विभाग का अमला भी अस्पताल पहुंचा

घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग का अमला भी अस्पताल पहुंचा मां ने बताई हमले की पूरी घटना घायल गीता बाई ने बताया कि वह बाड़े में बकरी बांधकर बाहर निकल ही रही थीं, तभी तेंदुए ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। उनके चिल्लाने पर बेटा दौड़कर आया और तेंदुए से भिड़ गया। सनोज ने साहस और मां के प्रति अपने प्रेम का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी जान बचाई7 घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है।

## प्रभाव

### माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए अच्छी खबर, रेलवे की खानपान सेवाओं का विस्तार

# अब श्रद्धालुओं को मिलेगा गर्म नाश्ता, चाय और ताजा दूध

कटड़ा, एजेंसी

श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए देशभर से कटड़ा आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने कटड़ा रेलवे स्टेशन पर खानपान सेवाओं का विस्तार किया है।

स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर कैटरिंग की दुकानें आवंटित की गई हैं। जिनके शुरू होने से यात्रियों को चाय, नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री स्टेशन परिसर में ही मिल सकेगी। इन्हें अगले माह से शुरू करने की योजना है।

वहीं, स्टेशन पर कुछ नए आउटलेट्स भी शुरू किए गए हैं, जिनमें पानी, चाय आदि उपलब्ध करवाई जा रही है। कटड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक और चार-पांच पर नई कैटरिंग दुकानें आवंटित की गई हैं। यहां स्वच्छ और उचित कीमत पर गर्म भोजन, नाश्ता तथा चाय उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी।

### यात्रियों को ताजा पैक दूध मिलेगा

यात्रियों की पोषण संबंधी जरूरतों को देखते हुए प्लेटफार्म नंबर दो-तीन पर आधुनिक मिल्क बूथ भी आवंटित किया गया है। इससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को ताजा और पैक दूध मिल सकेगा। जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल के मार्गदर्शन में कटड़ा स्टेशन पर यात्रियों की खानपान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर खानपान आउटलेट्स शुरू करने की दिशा में भी काम कर रहा है। यहां चना-पूरी, राजमा-चावल सहित अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की योजना है। नई सुविधाओं से स्टेशन पर यात्रियों को मिलने वाली सहूलियतें बढ़ेंगी।कटड़ा रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से बंद रिफ्रेशमेंट रूम को दोबारा शुरू करने की दिशा में कदम उठाया गया है।

# इजरायल: चुनाव में विदेशी फंडिंग का आरोप, जांच के आदेश

एजेन्सी, तेलअवीव/वॉशिंगटन

**इजरायल की सत्ता की लड़ाई में इस बार अरब पार्टियों की भूमिका बेहद अहम हो गई है। नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत के आंकड़े से पीछे है, जबकि विपक्ष भी सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने की कोशिश में है। अब इन चुनावों में विदेशी फंडिंग के आरोप लगे हैं। इजरायल की चुनाव समिति ने इन आरोपों की जांच का आदेश दिया है। इस फैसले से इजरायल की राजनीति में हलचल मच गई है। लिकुड पार्टी के प्रमुख और मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले को 'भूकंप' बताया। उन्होंने यहूदी राष्ट्रवादी दलों से अरब दलों के साथ गठबंधन न करने की अपील की।**

### इस्लामीकरण करने की साजिश

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, राअमगेट मामला एक भूकंप है। उन्होंने इजरायल में चुनाव चुरा लिया। जज सोलबर्ग ने अरब दलों के पक्ष में विदेशी संस्थाओं की दखलअंदाजी की बात कही है। उन्होंने मतदाताओं को रिश्वत देने में इन संस्थाओं की भूमिका का भी जिक्र किया। ये बयान एक अभूतपूर्व झटका हैं। उन्होंने आगे कहा, यह लोकतंत्र पर हमला है। इसका मकसद नेसेट पर विदेशी कब्जा कराना है। साथ ही, इजरायल का इस्लामीकरण करना और दक्षिणपंथी सरकार को गिराना है। इसके जरिये इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) को सभी मोर्चों पर पीछे हटने और हार की ओर ले जाना है। इसमें खास तौर पर ईरान का मोर्चा शामिल है। उन्होंने आगे कहा, हम मांग करते हैं कि इन अपराधों की जांच के लिए तुरंत कार्रवाई की जाए।

### कट्टरपंथी इस्लाम के हाथों नहीं बेचा जाएगा

स्मोट्रिच लिकुड के नेतृत्व वाले गठबंधन में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, विदेशी इस्लामवादी फंडिंग से चुनाव में दखल देने का संदेह इजरायल के लिए एक बड़ी कसौटी है। अरब पार्टियों के प्रमुखों से आज ही शिन बेट को पूछताछ करनी चाहिए। इजरायल को आतंकवादी फंडिंग के जरिये कट्टरपंथी इस्लाम के हाथों नहीं बेचा जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। वह ओत्जमा येहुदित पार्टी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने अरब पार्टियों के प्रमुखों को गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में कतर का पैसा शामिल है। बेन ग्विर ने कहा, शिन बेट को आज सुबह ही अरब पार्टियों के उन प्रमुखों को गिरफ्तार करने का आदेश देना चाहिए।

### चुनाव में विदेशी संस्थाओं का लगा पैसा

इस पूरे मामले की शुरुआत केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष जस्टिस नोआम सोलबर्ग के कदम से हुई। उन्होंने शिन बेट प्रमुख डेविड जिनी से जांच करने को कहा। जांच मंगलवार को हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों को लेकर है। इजरायली मीडिया के अनुसार, सोलबर्ग ने शिन बेट को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा, मुझे चुनावों को गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिशों को लेकर गंभीर संदेहों की जानकारी मिली है। विदेशी संस्थाओं ने इसके लिए पैसा दिया है। ये संस्थाएं इजरायल के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। हालांकि, मैं इन संदेहों की वास्तविकता की पुष्टि नहीं कर सकता। लेकिन मेरा मानना है कि विदेशी संस्थाओं से जुड़े होने के कारण इनकी पूरी तरह जांच करना जरूरी है। सोलबर्ग ने पत्र में आगे लिखा, इसी को ध्यान में रखते हुए, मैं आपको निर्देश देता हूं कि इन संदेहों की जांच के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें। इसके लिए शिन बेट के अधिकारों का इस्तेमाल करें।

## न्यूज ब्रीफ

### अफगान बलों का पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला

**काबुल /इस्लामाबाद।** अफगान बलों ने पाकिस्तान के हमले के जवाब में उसके सैन्य ठिकानों और चौकियों पर हमला करने का दावा किया है। इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अफगान बलों ने पक्तिका प्रांत के अंगूर अड्डा जिला बाजार के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जोरदार हमले किए। यह कार्रवाई उस इलाके में पाकिस्तानी बलों के हमलों के जवाब में की गई । काबुल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के बलों ने बुधवार दोपहर करीब एक बजे अंगूर अड्डा बाजार और तथाकथित डूरंड लाइन के पास स्थित चौकी पर ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए चार हमले किए। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, इसके जवाब में अफगान बलों ने इलाके के पास मौजूद पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और चौकियों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए या घायल हुए।

### अमेठी में खस्ता खाने से 102 लोग बीमार, जांच जारी

**अमेठी।** उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के तिलोई तहसील क्षेत्र अंतर्गत कोटवा ग्राम सभा में एक मेला के दौरान खस्ता खाने के बाद सौ से अधिक बच्चों और वयस्कों की तबीयत बिगड़ गई। बीमार लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर मरीजों का परीक्षण किया और दवाएं वितरित की। 17 लोगों को मेडिकल कॉलेज तिलोई भेजा गया है। अमेठी जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंशुमान सिंह ने गुरुवार को बताया कि ग्राम प्रधान की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल गांव पहुंची। उन्होंने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टीम ने कुल 102 लोगों का परीक्षण कर उन्हें दवाएं दीं हैं। इनमें 39 बच्चे और 63 वयस्क शामिल हैं। यह फूड प्वाइजनिंग का मामला है। उल्टी की शिकायत अधिक होने और दवा से राहत नहीं मिलने के कारण 17 लोगों को मेडिकल कॉलेज तिलोई भेजा गया है।

### सीजेपी ने किया 1 नवंबर को होने वाली रैली का समर्थन

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी ने इंडिया ब्लॉक की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी समर्थक रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक में शामिल होने के संकेत भी दिए हैं। इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें।

# बांग्लादेश में साजिश से गिराई गई हसीना सरकार

**ढाका।** बांग्लादेश में साजिश के तहत शेख हसीना की सरकार गिराई गई थी। छात्र संगठन चाहते थे कि बांग्लादेश की सरकार मोहम्मद यूनुस चलाएं।

छात्रों की यूनुस से मुलाकात करवाने में न्यूज एजेंसी स्नक्क के पत्रकार कादरुद्दीन शिशिर ने मदद की। यह दावा अंतरिम सरकार के सलाहकार रहे मोहम्मद यूनुस के पूर्व प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने किया है।

शेख हसीना ने 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश छोड़ा था। इसके दो दिन पहले ही यूनुस और छात्रों के बीच बातचीत हुई थी। इसी बातचीत में तख्तापलट का प्लान बना।

शफीकुल आलम 13 अगस्त 2024 से 17 फरवरी 2026 तक मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में प्रेस सचिव रहे हैं। (फाइल फोटो)

शफीकुल आलम 13 अगस्त 2024 से 17 फरवरी 2026 तक मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में प्रेस सचिव रहे हैं। (फाइल फोटो)

### सुरक्षा एजेंसियों को बातचीत की जानकारी ही नहीं थी

शफीकुल आलम के मुताबिक, छात्र नेताओं को यूनुस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए एक भरोसेमंद व्यक्ति की जरूरत थी। ऐसे में कादरुद्दीन शिशिर ने दोनों पक्षों के बीच संपर्क कराने में मदद की।

आलम ने दावा किया कि सुरक्षा एजेंसियों को इस बातचीत की जानकारी नहीं थी। अगर अधिकारियों को इसका पता चल जाता तो शिशिर और स्नक्क की पूरी टीम को खतरा हो सकता था।

आलम ने बातचीत का पूरा ब्योरा नहीं दिया। यह भी पता नहीं है कि शिशिर की भूमिका केवल शुरुआती बातचीत कराने तक सीमित थी या उन्होंने आगे की बातचीत में भी हिस्सा लिया था।

छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल नाहिद इस्लाम ने उन्हें अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाने का प्रस्ताव दिया था। बाद में यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी।

### हसीना सरकार के खिलाफ कैसे शुरू हुआ था आंदोलन?

बांग्लादेश में 2024 में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू हुआ था। वहां सरकारी नौकरियों में 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वालों के परिवारों के लिए 30त्न तक सीटें आरक्षित थीं।

छात्रों का कहना था कि इससे आम युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने के मौके कम हो रहे हैं। वे चाहते थे कि भर्ती में परीक्षा और योग्यता के आधार पर ज्यादा नौकरियां मिलें।

इसी मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में बदल गया। सरकार की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के आकलन के मुताबिक, जुलाई और अगस्त 2024 के दौरान करीब 1,400 लोगों की मौत हुई।

शेख हसीना की यह फुटेज हेलिकॉप्टर में बैठने से पहले की है। 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ने के बाद वे भारत आ गईं थीं।

शेख हसीना की यह फुटेज हेलिकॉप्टर में बैठने से पहले की है। 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ने के बाद वे भारत आ गईं थीं।

यूनुस की अंतरिम सरकार के बाद सत्ता में आए तारिक रहमान

यूनुस की अंतरिम सरकार का काम चुनाव कराकर सत्ता चुनी हुई सरकार को सौंपना था। इसके लिए 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव हुए, जिसमें बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (व्नह्क) ने बड़ी जीत हासिल की। पार्टी ने संसद की 300 में से 209 सीटें जीतीं।

इसके बाद 17 फरवरी 2026 को तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके सत्ता संभालने के साथ ही यूनुस की अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया।

### अब देश लौटना चाहती हैं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 19 अक्टूबर 2026 को कहा था कि वे दिसंबर में अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि,

बांग्लादेश की मौजूदा तारिक रहमान सरकार उन्हें गिरफ्तार कर सकती है, मार सकती है या टॉर्चर कर सकती है, लेकिन वे इन खतरों से नहीं डरतीं। हसीना ने कहा कि खतरा कितना भी हो, उन्हें इसकी परवाह नहीं है और उन्हें अपने देश लौटना ही है।

### रहमान की सरकार कई बार प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी

तारिक रहमान की सरकार शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजने की मांग कई बार उठा चुकी है। इस मुद्दे का असर बांग्लादेश और भारत के रिश्तों पर भी पड़ा है।

भारत ने व्नह्कृष्ट्स समिट में तारिक रहमान को शामिल होने का न्योता दिया था। इसके अलावा, फरवरी से ही भारत की ओर से उन्हें अलग से भारत आने का निमंत्रण दिया गया था।

हालांकि, प्रधानमंत्री बनने के बाद से तारिक रहमान ने भारत का दौरा नहीं किया है। हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है।

महिलाओं पर विवादित बयान से भड़के नेता

## आर्मेनिया की संसद में चले लात-घूंसे

**येरेवन।** आर्मेनिया की संसद में गुरुवार को सत्तारूढ़ दल और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर मारपीट हुई। बताया जा रहा है कि महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान से हंगामा शुरू हुआ। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन से माफी मांगने के लिए कहा था। उन्होंने कारापेटयन के परिवार को लेकर भी बयान दिया था। इससे नाराज विपक्षी सांसद स्पीकर के पोडियम की ओर बढ़े। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान एक सांसद को फर्श पर गिरा दिया गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी एक्शन में आए और मामले को संभाला। घटना के बाद संसद की कार्यवाही रोकनी पड़ी। चखोयान ने अपने भाषण में विपक्षी नेता कारापेटयन के चचेरे भाई सरगिस कारापेटयन के पुराने बयान का जिक्र करते हुए उनकी आलोचना की थी। उन्होंने एक पॉडकास्ट में महिलाओं पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसी साल जनवरी में एक समाजशास्त्री ने कहा था कि आर्मेनिया में अधेड़ उम्र की महिलाओं की राजनीति में दिलचस्पी बढ़ रही है। समाजशास्त्री ने इसकी वजह यौन असंतुष्टि बताया था। उनका दावा था कि इसी वजह से कुछ महिलाएं सोशल मीडिया पर ज्यादा राजनीतिक टिप्पणियां करती हैं।

### बहस मारपीट में बदली

सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने संसद में इसी बयान का जिक्र करते हुए विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन पर निशाना साधा। चखोयान ने सवाल उठाया कि इस टिप्पणी के लिए अब तक महिलाओं से माफी क्यों नहीं मांगी गई। इसी बात पर दोनों के बीच बहस शुरू हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई।

## ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का आह्वान देश 'न युद्ध, न शांति' वाली स्थिति से बाहर आए

एजेन्सी, तेहरान (ईरान)

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई ने कहा कि 'न युद्ध, न शांति' वाली स्थिति को खत्म करने का वक्त आ गया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि सर्वोच्च नेता के आह्वान को देश की मंत्रिपरिषद को अवगत करा दिया गया है। सरकार से कहा गया कि वह इस आदेश को पूरी गंभीरता और अपनी पूरी क्षमता के साथ लागू करे। इरना की रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई ने यह आह्वान बुधवार को किया। राष्ट्रपति ने खामेनेई के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव को दिए गए इस निर्देश को देश के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा बताया है। बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में राष्ट्रपति ने देश के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे घटनाक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने खामेनेई के आह्वान की सराहना की।राष्ट्रपति ने किसी भी नई स्थिति का सामना करने के लिए लगातार तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। पेजेशकियान ने कहा कि दुश्मनों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे ईरान के संकल्प को कमजोर कर सकते हैं या देश को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। पेजेशकियान ने इस मौके पर हाल ही में अमेरिका और इजराइल के युद्ध में शहीद लोगों को श्रद्धांजलि दी।

## पाकिस्तान के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन सिलेंडर विस्फोट में गर्भवती समेत आठ की मौत

एजेन्सी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में ऑक्सीजन सिलेंडर की वजह से हुए विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें गर्भवती भी शामिल है। यह त्रासदी सिंध प्रांत के थारपारकर जिला से सामने आई है। थारपारकर जिला मुख्यालय मीठी में मौजूद बचाव अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। सिंध प्रांत के मीरपुर खास डिवीजन का यह जिला देश का सबसे बड़ा हिंदू आबादी वाला जिला है। प्रांत के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित यह जिला थार रेगिस्तान का हिस्सा है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, थारपारकर जिला बचाव अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट से कारण पीएचसी में खड़ी एम्बुलेंस में लगी आग में मौके पर गर्भवती महिला समेत सात लोगों ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से झुलसे कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरी एम्बुलेंस से मीठी ले जाया गया। मगर उनमें से एक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। बचाव अधिकारियों के अनुसार, पीएचसी में यह हादसा उस समय हुआ जब एम्बुलेंस का ऑक्सीजन सिलेंडर बदला जा रहा था। सहायक आयुक्त इरम करीम नरेजो ने बताया कि जब विस्फोट हुआ, तब एम्बुलेंस स्वास्थ्य केंद्र में खड़ी थी। आज (29 अक्टूबर) प्रसारित रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह त्रासदी कब की है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में पीएचसी का एक डिस्पेंसर, एम्बुलेंस चालक, एक चौकीदार और एक अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

# आर्मेनिया की संसद में सांसदों के बीच लात-घूंसे चलेन्महिलाओं पर विवादित बयान से भड़के नेता, कार्यवाही रोकनी पड़ी

**येरेवन।** आर्मेनिया की संसद में गुरुवार को सत्तारूढ़ दल और विपक्षी सांसदों के बीच मारपीट हो गई। विवाद महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान से शुरू हुआ था।

सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन से माफी मांगने के लिए कहा था। उन्होंने कारापेटयन के परिवार को लेकर भी बयान दिया था। इससे नाराज विपक्षी सांसद स्पीकर के पोडियम की ओर बढ़े। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई।

मारपीट के दौरान एक सांसद को फर्श पर गिरा दिया गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी एक?शन में आए और मामले को संभाला। घटना के बाद संसद की कार्यवाही रोकनी पड़ी।

आर्मेनिया की संसद में हुई मारपीट से जुड़ी 4 तस्वीरें

### विपक्षी नेता के भाई ने महिलाओं की यौन संतुष्टि पर बयान दिया था

चखोयान ने अपने भाषण में विपक्षी नेता कारापेटयन के चचेरे भाई सरगिस कारापेटयन के पुराने बयान का जिक्र करते हुए उनकी आलोचना की थी। उन्होंने एक पॉडकास्ट में महिलाओं पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसी साल जनवरी में एक समाजशास्त्री ने कहा था कि आर्मेनिया में अधेड़ उम्र की महिलाओं की राजनीति में दिलचस्पी बढ़ रही है।

समाजशास्त्री ने इसकी वजह यौन असंतुष्टि बताया था। उनका दावा था कि इसी वजह से कुछ महिलाएं सोशल मीडिया पर ज्यादा राजनीतिक टिप्पणियां करती हैं।

जब एक पॉडकास्ट में सरगिस से इस पर चर्चा हुई तो उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर देश में कोई भी महिला यौन संतुष्टि से वंचित नहीं रहेगी।

पॉडकास्ट में शामिल एक अन्य व्यक्ति ने मजाक में 'सेक्स मंत्रालय' बनाने की बात कही थी। इसके बाद सरगिस ने कहा कि यौन संबंधों के बिना जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं हल नहीं की जा सकतीं।

### सांसद ने चखोयान से माफी मांगने को कहा

इस तरह बातचीत महिलाओं की राजनीतिक सि यता से शुरू होकर यौन संतुष्टि और आर्मेनिया की घटती जन्म दर तक पहुंच गई।

सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने संसद में इसी बयान का जि करते हुए विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन पर निशाना साधा।

चखोयान ने सवाल उठाया कि इस टिप्पणी के लिए अब तक महिलाओं से माफी क्यों नहीं मांगी गई। इसी बात पर दोनों के बीच बहस शुरू हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई।

## इसरो आज लॉन्च करेगा नेविगेशन सैटेलाइट

**श्रीहरिकोटा।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 अक्तूबर को जीएसएलवी रॉकेट के जरिए बहुप्रतीक्षित नेविगेशन उपग्रह-03 लॉन्च करेगा। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रवाना किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ18 के माध्यम से एनवीएस-03 उपग्रह को प्रक्षेपित करने के लिए तैयार है। यह उपग्रह भारत निर्मित स्वदेशी रुबीडियम परमाणु घड़ी के साथ-साथ अधिगृहीत परमाणु घड़ियों से लैस है। इसके अलावा इसमें मौजूदा एल-5 और एस सिग्नल बैंड के साथ नागरिक उपयोग के लिए एल-1 सग्निल भी शामिल किया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### सोने की बढ़ी चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** करवा चौथ के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना गुरुवार को 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। चांदी गुरुवार को भी सोमवार के भाव पर टिकी हुई नजर आ रही है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना गुरुवार को 1,31,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

### सेंसेक्स निचले स्तर से 984 अंक उछला

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स-बैंकेक्स की मंथली एक्सपायरी के दिन आज जबरदस्त तेजी का माहौल बना रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने के सकारात्मक फैसले की वजह से बाजार को शुरूआती गिरावट से उबरने में बहुत बड़ी मदद मिली। शुरूआती कारोबार में मंदड़ियों ने बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश की थी लेकिन निचले स्तर पर एक्टिव हुए खरीदारों की चौतरफा लिवाली के आगे मुनाफावसूली का यह दबाव पूरी तरह साफ हो गया। इस दमदार खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 984 अंक से ज्यादा की रिकवरी करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी ने भी आज निचले स्तर से करीब 305 अंकों की तूफानी छलांग लगा कर 22,900 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

# मारुति सुजुकी इंडिया का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50 हजार इकाई के पार

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) का अगस्त, 2025 से अक्टूबर, 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के निर्यात का आंकड़ा 50 हजार इकाई को पार कर गया है। कंपनी ने अगस्त, 2025 में ही वैश्विक बाजारों में ईवी की आपूर्ति शुरू की थी।

कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि अप्रैल-सितंबर, 2026 के दौरान भारत से हुए इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के कुल निर्यात में उसकी हिस्सेदारी करीब 93 फीसदी रही। मारुति सुजुकी ने बताया कि ई-विटारा

का उत्पादन अगस्त, 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था। इस वाहन को 100 से अधिक देशों में बिक्री के लिए तैयार किया गया है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, ह्लआज मारुति सुजुकी लगभग 50 देशों में इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात कर रही है, जिनमें यूरोप सबसे बड़ा बाजार है। अप्रैल-सितंबर, 2026 के दौरान भारत के इलेक्ट्रिक यात्री वाहन निर्यात में कंपनी की हिस्सेदारी करीब 93 फीसदी रही।

कंपनी ने बताया कि हंसलपुर संयंत्र सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण का एकमात्र केंद्र है। मारुति सुजुकी ने हाल ही में इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख वाहन कर दी है। इसके साथ ही यह एक ही स्थान पर इतनी उत्पादन क्षमता हासिल करने वाला सुजुकी का दुनिया का पहला विनिर्माण संयंत्र बन गया है।

कंपनी के अनुसार, हंसलपुर संयंत्र में कुल 25,288.7 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। यह संयंत्र निर्यात के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है और वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति सुजुकी के कुल वाहन निर्यात में इसकी हिस्सेदारी करीब आधी रही।

उल्लेखनीय है कि कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा का निर्यात ब्रिटेन, नॉर्वे, जर्मनी, जापान और स्विट्जरलैंड सहित दुनिया के लगभग 50 देशों में कर रही है। यूरोप उसके इलेक्ट्रिक वाहन का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।

## हिंदुस्तान जिंक का दीर्घकालिक निवेश अब दिखा रहा ठोस नतीजे: अग्रवाल हेब्बर

■ एजेन्सी, मुंबई

हिंदुस्तान जिंक की नई उत्पादन क्षमताओं, परिचालन सुधारों और तकनीक में किए गए निवेश से कंपनी के प्रदर्शन में मजबूती आ रही है। कंपनी की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए शेयरधारकों को लिखे पत्र में यह बात कही।

हेब्बर ने कहा, खनन क्षेत्र में प्रगति को शायद ही कभी किसी एक तिमाही के आधार पर मापा जा सकता है। यह निवेश, नवाचार और अनुशासित क्रियान्वयन के जरिये धीरे-धीरे समय के साथ हासिल होती है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही पर नजर डालने पर मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारे कई दीर्घकालिक निवेश अब ठोस नतीजों में बदल रहे हैं। उन्होंने देबारी रोस्टर और चंदेरिया व दरीबा में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए की गई बाधा-निवारण (डीबॉटलनेकिंग) पहलों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इन निवेशों से रिफाइंड धातु का उत्पादन बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार लाने में मदद मिली है।

सितंबर तिमाही के दौरान हिंदुस्तान जिंक का खनित धातु उत्पादन सालाना आधार पर 5 प्रतिशत बढ़कर 271 किलो टन (केटी) रहा। वहीं, रिफाइंड धातु का उत्पादन 7 प्रतिशत बढ़कर 264 केटी हो गया। चांदी का उत्पादन भी सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 173 टन पहुंच गया। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 77 प्रतिशत बढ़कर 15,093 करोड़ रुपये रहा। एबिटडा 108 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,285 करोड़ रुपये और कर के बाद मुनाफा (पीएटी) 142 प्रतिशत बढ़कर 6,412 करोड़ रुपये हो गया। रॉयल्टी को छोड़कर जिंक की उत्पादन लागत 29 प्रतिशत घटकर 703 अमेरिकी डॉलर प्रति टन रह गई।

हेब्बर ने इस बात पर भी जोर दिया कि हिंदुस्तान जिंक का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, आगे बढ़ते हुए हमारा लक्ष्य सिर्फ अधिक उत्पादन करना नहीं है। हमारा उद्देश्य उन संसाधनों से अधिक मूल्य सृजित करना है, जिनकी जिम्मेदारी हमारे पास है। साथ ही, ऐसा धातु कारोबार विकसित करना है, जो भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो और भारत की विकास यात्रा में सार्थक योगदान दे। भारत में रणनीतिक खनिजों की बढ़ती जरूरत का उल्लेख करते हुए हेब्बर ने औद्योगिक विस्तार, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी विकास को समर्थन देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।तिमाही के दौरान हिंदुस्तान जिंक को कर्नाटक में गुंडलुपेट रेयर अर्थ एलिमेंट्स एंड यिट्रियम ब्लॉक के लिए आशय पत्र (लेटर ऑफ इंटेंट) मिला।

### बाजार पूंजीकरण 13.72 लाख करोड़ रुपए के पार

# जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर में लगातार दूसरे दिन रही तेजी

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की डिजिटल सेवा और तकनीक सहायक कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी है। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 5 फीसदी से अधिक चढ़ गया। इस बढ़त के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) भी बढ़कर 13.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

स्टॉक एक्सचेंज के जारी आंकड़ों के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का फीसदी 5.12 फीसदी की बढ़त के साथ 1,490 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयर 5.09 फीसदी की बढ़त के साथ 1,489.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था। बीएसई पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 66,903.61 करोड़ रुपये बढ़कर 13,72,145.59 करोड़ रुपये हो गया।

जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर अपने 1,119 रुपये के निर्गम मूल्य से दोनों प्रमुख शेयर बाजार में 33 फीसदी से अधिक ऊपर कारोबार कर रहा है। इससे पहले जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने बुधवार को

शेयर बाजार में शानदार शुरूआत की थी। कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 27 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ था। इसके साथ ही कंपनी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई थी।

कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 1,358 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था, जो इसके निर्गम मूल्य से 21.36 फीसदी अधिक था। बीएसई पर शेयर 26.66 फीसदी की बढ़त के साथ 1,417.35 रुपये पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान इसने 1,423.80 रुपये का उच्चतम स्तर भी छुआ था।

इसी तरह एनएसई पर शेयर 26.67 फीसदी चढ़कर 1,417.50 रुपये पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान इसने 1,423.90 रुपये का उच्चतम स्तर हासिल किया था। एक दिन पहले बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में जियो प्लेटफॉर्म्स का बाजार पूंजीकरण 13 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

कंपनी बाजार मूल्यांकन के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे स्थान पर रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 15.92 लाख करोड़ रुपये है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ दिया है।

जियो प्लेटफॉर्म्स का 30,213 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कुल 22.19 गुना अभिदान के साथ बंद हुआ था। सार्वजनिक निर्गम और एंकर निवेशकों के आवंटन को मिलाकर कुल मांग सात लाख करोड़ रुपये से अधिक रही थी।

आईपीओ से पहले कंपनी ने 19 अक्टूबर को 212 एंकर निवेशकों से करीब 8,110 करोड़ रुपये जुटाए थे। इन निवेशकों को 1,119 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए गए थे, जो मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर था। आईपीओ 21 अक्टूबर को खुला था और पहले ही दिन करीब 100 मिनट के भीतर ही इसे पूरा अभिदान मिल गया था। आईपी जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ पूरी तरह से 27 करोड़ नए शेयरों का निर्गम था।

# रिलायंस के सितंबर तिमाही के नतीजे आएंग

## कंपनी का मुनाफा 21,000 करोड़ हो सकते है, रिफाइनिंग और जियो से कमाई बढ़ेगी

नई दिल्ली

देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आज, 30 अक्टूबर को अपने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। ऑयल रिफाइनिंग मार्जिन में तेजी, जियो के यूजर्स और क्क में बढ़ोतरी के दम पर कंपनी का मुनाफा मजबूत रहने का अनुमान है।

### ब्लूमबर्ग एस्टिमेट: मुनाफा ?21,368 करोड़ रहने की उम्मीद

ब्लूमबर्ग कंसेंसस एस्टिमेट्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज सितंबर तिमाही में ?21,368 करोड़ का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज कर सकती है। यह पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) के 20,946 करोड़ से ज्यादा है, हालांकि पिछले साल की समान तिमाही के 22,092 करोड़ से थोड़ा कम है। एनालिस्ट्स के अनुसार, ऑयल-टू-केमिकल्स (ह्2ष्ट) बिजनेस कमाई का मुख्य जरिया रहेगा, जबकि डिजिटल सर्विसेज यानी जियो ग्रोथ को सपोर्ट करेगी।

### ब्रोकरेज हाउसेस का अनुमान

प्रभुदास लीलाधर के मुताबिक, रिलायंस का कंसोलिडेटेड तिमाही-दर-तिमाही (क्तश्क्त) 3.4 बढ़कर ?49,140 करोड़ हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज ने कंसोलिडेटेड में साल-दर-साल (ङ्कश्चङ्क) 15 बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जबकि नुवामा ने इसमें 17 ग्रोथ की संभावना जताई है।

### ह्2ष्ट बिजनेस: रिफाइनिंग मार्जिन से सपोर्ट

ग्लोबल लेवल पर प्रोडक्ट्स की सीमित सप्लाई और खाड़ी देशों में तनाव की वजह से कंपनी का रिफाइनिंग मार्जिन मजबूत बना हुआ है। प्रभुदास लीलाधर के अनुसार,

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सितंबर में क्रूड की कीमतों में उछाल आया, जिससे क्त2 में ब्रेंट क्रूड का एवरेज 91.4 प्रति बैरल रहा। डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (ज्जस) के रिफाइनिंग ैक्स हाई लेवल पर रहे। कोटक सिक्योरिटीज का अनुमान है कि OwC EBITDA साल-दर-साल 47 बढ़ सकता है। इसमें कंपनी की स्थ्रै रिफाइनरी का बड़ा योगदान रहेगा, जिसे विंडफॉल टैक्स से छूट मिली हुई है।

इसके अलावा, अमेरिका से सस्ता एथेन-बेस्ड पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक और रुपए की कमजोरी भी मार्जिन को सहारा देगी। नुवामा के मुताबिक, ह्2ष्ट में साल-दर-साल 38 की बढ़ोतरी दिख सकती है, हालांकि बढ़ा हुआ फ्रेट चार्ज और ऑपरेशनल एडजस्टमेंट इसे थो?ा प्रभावित कर सकता है।

रिलायंस जियो:, क्क और यूजर्स ग्रोथ पर नजर

रिलायंस जियो की कमाई में लगातार बढ़त बरकरार रहने की उम्मीद है। यस सिक्योरिटीज: जियो का, क्क 216.5 और कुल सब्स ाइबर बेस 540.3 मिलियन (54.03 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है।

प्रभुदास लीलाधर: तिमाही के दौरान 80 लाख नए यूजर्स जुड़ने से, क्क 1 बढ़कर ?218 पहुंचने और जियो के तिमाही आधार पर 3 की बढ़त का अनुमान है।

नुवामा: डिजिटल सर्विसेज साल-दर-साल 16 की ग्रोथ की उम्मीद है।

रिलायंस रिटेल: रेवेन्यू बढ़ेगा, लेकिन मार्जिन पर दबाव

रिटेल सेगमेंट में स्थिर ऑपरेटिंग अर्निंग दिखने का अनुमान है...

यस सिक्योरिटीज: रिटेल रेवेन्यू 2.4 (ङ्कश्चङ्क) और 2.6 (क्तश्क्त) बढ़कर ?92,700 करोड़ रहने का अनुमान है, जिसमें मार्जिन करीब 7 रहेगा।

कोटक सिक्योरिटीज: रिटेल रेवेन्यू में साल-दर-साल 11.7 की ग्रोथ का अनुमान है, लेकिन मार्जिन पर दबाव के चलते में 0.8 की गिरावट आ सकती है।

नुवामा: हायर कंपैरिजन बेस की वजह से रिटेल में लगभग 1 गिरावट का अनुमान है।

ऑयल एंड गैस बिजनेस: दबाव में रहने की आशंका

प्रोडक्शन घटने की वजह से अपस्ट्रीम ऑयल एंड गैस बिजनेस का प्रदर्शन सुस्त रह सकता है। कोटक सिक्योरिटीज ने इस सेगमेंट के में 7.2 और नुवामा ने 6 की गिरावट (ङ्कश्चङ्क) का अनुमान जताया है।

आगे के लिए 5 अहम ट्रिगर्स

नतीजों के अलावा निवेशकों की नजर इन 5 बातों पर रहेगी...

रिफाइनिंग मार्जिन और ह्2ष्ट सेगमेंट का योगदान।

जियो का, क्क और सब्स ाइबर एडिशन।

रिलायंस रिटेल का प्रॉफिट मार्जिन।

कंपनी का कुल कैपिटल एक्सपेंडिचर और फाइनेंस कॉस्ट।

मुख्य बिजनेस के आउटलुक पर मैनेजमेंट की कमेंट्री।

इस साल अब तक 26 गिरा रिलायंस का शेयर

नतीजों से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 0.3 गिरकर 1,163 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीते 5 दिन में कंपनी का शेयर 2 गिरा है। एक महीने में 3 और 6 महीने में 19 गिरा है।

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 26 गिरा है। वहीं कंपनी के शेयर में एक साल में 22 की गिरावट रही।

रिलायंस का मार्केट कैप 15.74 लाख करोड़ रुपए है।

भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है रिलायंस

रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है। ये अभी हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन, पेट्रोलियम रिफाइनिंग और मार्केटिंग, पेट्रोकेमिकल्स, एडवांस मटेरियल और कंपोजिट, रिन्यूएबल एनर्जी, डिजिटल सर्विस और रिटेल सेक्टर में काम करती है।

क्या होता है, क्क?

यानी %एवरेज रेवेन्यू पर यूजर%। यह टेलीकॉम कंपनियों का एक प्रमुख पैमाना है, जिससे यह पता चलता है कि कंपनी औसतन प्रति ग्राहक प्रति महीना कितना पैसा कमा रही है।

# इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो हैकिंग

## दुनिया के सबसे बड़े एक्सचेंज बाइनेंस से 50,000 करोड़ चोरी होने का अनुमान; पैसों की जमा-निकासी पर रोक

दुनिया का सबसे बड़ा किप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस हैक हो गया है। इसे इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो हैकिंग माना जा रहा है।

कंपनी ने क्रिप्टो करेंसी के जमा और निकासी पर रोक लगा दी है।

क्रिप्टो एक्सपर्ट्स और एनालिटिक्स फर्म्स का अनुमान है कि इस हैकिंग में 5 बिलियन डॉलर से ज्यादा यानी करीब 50 हजार करोड़ रुपए की ि प्टो करेंसी चोरी हुई है। घटना के बाद बिटकॉइन समेत अन्य ि प्टो करेंसीज में 5 से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

ि प्टोकरेंसी एक तरह का डिजिटल पैसा है, जिसे ऑनलाइन खरीदा-बेचा जा सकता है। इसे कोई सरकार या बैंक जारी नहीं करता, बल्कि यह ब्लॉकचेन तकनीक से चलता है।

इस पूरे मामले को सवाल-जवाब में समझिएज

सवाल 1. बाइनेंस में क्या गड़बड़ी हुई है और कंपनी ने क्या कदम उठाए हैं

जवाब: बाइनेंस के डिजिटल लॉकर में सेंध लग गई है। किसी हैकर ने बाइनेंस के सुरक्षा तंत्र को तोड़कर उसके सिस्टम में घुसपैठ की और हजारों करोड़ रुपए के ि प्टो कॉइन्स चुरा लिए।

कंपनी ने तुरंत 3 बड़े कदम उठाए हैं

लेन-देन पर तुरंत रोक लगाई: जैसे ही सेंधमारी का पता चला, बाइनेंस ने ग्राहकों के पैसे जमा करने और निकालने पर तुरंत रोक लगा दी, ताकि चोर और पैसे न निकाल सकें। भरपाई की गारंटी दी: बाइनेंस ने अपने ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि उनका पैसा सुरक्षित है। अगर जांच में ग्राहकों का कोई नुकसान साबित होता है, तो कंपनी उसकी भरपाई करेगी।

जांच शुरू की: कंपनी की सुरक्षा टीमें अंतरराष्ट्रीय पुलिस और साइबर एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर हैकर्स का पता लगाने में जुटी हैं। चोरों के रास्तों को बंद कर दिया है।

सवाल 2. हैकिंग में कुल कितने ि प्टो के नुकसान का अनुमान है?

जवाब: बाइनेंस ने अभी तक चोरी हुई ि प्टो का खुलासा नहीं किया है, लेकिन ि प्टो एनालिटिक्स फर्म्स ने बड़े नुकसान का अनुमान जताया है। ग्लासनोड के मुताबिक 5.3 बिलियन। वहीं चेनालिसिस के अनुसार 5.9 बिलियन यानी करीब 50 हजार करोड़ रुपए की ि प्टो चोरी हुई है।

सवाल 3. ि प्टो इंडस्ट्री के इतिहास में यह घटना कितनी बड़ी मानी जा रही है?

जवाब: अगर अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह इतिहास की सबसे बड़ी ि प्टो डकैती हो सकती है। इससे पहले 2025 में दुबई स्थित ि प्टो एक्सचेंज बायबिट से उत्तर कोरियाई हैकर्स द्वारा की गई चोरी अब तक की सबसे बड़ी घटना थी। तब 1.5 बिलियन डॉलर की हैकिंग हुई थी।

# पीएम-जनमन योजना के छात्रावास निर्माण पर उठे सवाल, घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

■ **लिट्टीपाड़ा के हैठबंधा में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विद्यालय परिसर के इस्तेमाल को लेकर विवाद; जिला प्रशासन से जांच की मांग!**

रफ्तार मीडिया संवाददाता।

पाकुड़/लिट्टीपाड़ाः आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के उत्थान और विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पीएम-जनमन योजना के तहत मॉडल +2 स्कूल, लिट्टीपाड़ा के हैठबंधा में बन रहे छात्रावास के निर्माण कार्य पर सवाल उठने लगे हैं। निर्माण स्थल से सामने आई तस्वीरों और स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, कार्यस्थल पर पारदर्शिता तथा विद्यालय परिसर के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

आरोप है कि छात्रावास निर्माण में घटिया गुणवत्ता की ईंट, मिट्टी मिश्रित बालू, घटिया क्वालिटी की गिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है। निर्माण में प्रयुक्त छड़ तथा पिलर की मजबूती को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता और निर्माण कार्य की तकनीकी गुणवत्ता की पुष्टि सक्षम विभागीय जांच एवं प्रयोगशाला परीक्षण के बाद ही हो सकेगी।

लेकिन दीर्घकालीन योजना होने के कारण इस तरह गुणवत्ता विहीन कार्य होना बहुत बड़ी चिंता की विषय है।

### ■ निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड कहां?

निर्माण कार्य में पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि स्थल पर ऐसा सूचना बोर्ड उपलब्ध नहीं है, जिससे प्राक्कलित राशि, निर्माण कार्य शुरू होने की तिथि, निर्धारित पूर्णता तिथि, कार्यकारी एजेंसी और अन्य आवश्यक तकनीकी विवरणों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। ऐसे में सवाल उठता है कि आम लोगों को परियोजना की लागत, समय-सीमा और निर्माण की जिम्मेदारी से संबंधित जानकारी कैसे मिलेगी?

निर्माण स्थल पर परियोजना से संबंधित आवश्यक सूचनाओं की उपलब्धता और निर्धारित नियमों के अनुपालन की जांच की मांग की जा रही है।

### ■ विद्यालय परिसर और क्लास रूम बना निर्माण सामग्री रखने और मजदूरों के ठहरने का स्थान?

इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण सवाल विद्यालय परिसर के उपयोग को लेकर उठ रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य में लगी एजेंसी ने विद्यालय परिसर और कमरों का इस्तेमाल निर्माण सामग्री रखने तथा मजदूरों के रहने, खाने और सोने के लिए किया है। जिन क्लास रूम में पढ़ाई होनी चाहिए थी उसमें कंस्ट्रक्शन कंपनी के मजदूर रह रहे हैं वैसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई बाधित हो रही है।

यदि नियमित कक्षाओं के लिए निर्धारित कमरों का उपयोग लंबे समय से निर्माण कार्य से जुड़े लोगों के ठहरने के लिए किया जा रहा है, तो यह जांच का विषय है कि इसकी अनुमति किसने दी?

### ■ पीएम-जनमन योजना के उद्देश्य पर भी उठे सवाल

पीएम-जनमन योजना विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के सामाजिक-आर्थिक विकास और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से जुड़ी है। ऐसे में योजना के तहत बन रहे छात्रावास की गुणवत्ता, उपयोगिता और निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप खर्च सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि योजना के तहत खर्च की जा रही राशि का उपयोग निर्धारित स्वीकृति, नियमों और परियोजना के उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए। यदि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है या स्वीकृत प्रावधानों से हटकर राशि खर्च की गई है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि छात्रावास निर्माण की स्वीकृत लागत कितनी है, निर्माण कार्य किस एजेंसी को सौंपा गया है, गुणवत्ता की निगरानी कौन कर रहा है और अब तक कितना कार्य पूरा हुआ है।

### ■ जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग!

मामले को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित तकनीकी विभाग से निर्माण स्थल का निरीक्षण कराने की मांग की जा रही है। मांग है कि निर्माण सामग्री के नमूनों की जांच कराई जाए, स्वीकृत प्राक्कलन और तकनीकी नक्शे का मिलान किया जाए तथा पिलर, सरिया, कंक्रीट और अन्य संरचनात्मक हिस्सों की गुणवत्ता की तकनीकी जांच हो।

इसके साथ ही विद्यालय परिसर में निर्माण एजेंसी द्वारा कमरों और अन्य स्थानों के इस्तेमाल की अनुमति, निर्माण सामग्री के भंडारण तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव की भी जांच होनी चाहिए।

यदि जांच में अनियमितता, मानकों के उल्लंघन या सरकारी राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्तियों एवं एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

## विष्णु कुमार दान

**प्रधानाचार्य,** मॉडल प्लस टू स्कूल, लिट्टीपाड़ा ने कहा कि छात्रावास का निर्माण कर रही कंस्ट्रक्शन कंपनी को विद्यालय परिसर का इस्तेमाल करने की अनुमति न तो मैंने दी है और न ही कक्षा-कक्षों में कंपनी के मजदूरों एवं वर्करों को ठहरने की अनुमति दी है। मेरी अनुपस्थिति में विद्यालय के शिक्षक बलराम मंडल ने अपनी मनमानी से परिसर का उपयोग करने की सहमति दे दी। इसके बाद कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा विद्यालय परिसर में छड़, सीमेंट सहित अन्य निर्माण सामग्री रखी जाने लगी। जैसे ही मैंने यह देखा, तत्काल सामग्री हटाने का निर्देश दिया। लेकिन कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा अभी तक विद्यालय परिसर खाली नहीं किया गया है। इसलिए जिला प्रशासन को कंस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

## बर्नर हांसदा

लिट्टीपाड़ा के प्रभारी बीईओ ने कहा कि मामले की सूचना मिलते ही उन्होंने विद्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सूचना सही पाई गई। उन्होंने कंस्ट्रक्शन कंपनी और विद्यालय प्रबंधन को जल्द से जल्द विद्यालय परिसर में रखी निर्माण सामग्री हटाकर परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा क्लासरूम को खाली करने का निर्देश दिया है। साथ ही, मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन को लिखित रूप से अवगत कराया गया है।

## मोतीलाल मरांडी

ग्रामीण ने कहा कि दीर्घकालीन के लिए बना रहे आदिवासी छात्रावास की गुणवत्ता देख बहुत ही चिंतित हूँ। यहां इतनी घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है कि यह भवन कुछ ही सालों में जर्जर होने लगेगा साथी विद्यालय परिसर क्लास रूम का इस तरह गलत रूप में उपयोग करना गहरी चिंता की विषय है। जिला प्रशासन द्वारा ठेकेदार पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

## शिवचरण मालतो

आदिवासी नेता, लिट्टीपाड़ा ने आरोप लगाया कि मॉडल +2 स्कूल, हेतबंधा में पीएम-जनमन योजना के तहत बन रहे छात्रावास में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड भी नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की। साथ ही, योजना की राशि के कथित दुरुपयोग की उच्चस्तरीय शिकायत करने की बात कही।

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!

# सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की वोटिंग में क्रिस्टियानो अव्वल

लंदन। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस एक बार फिर चर्चा में है। सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी से जुड़ी प्रशंसकों की वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो का 2008 का शानदार प्रदर्शन पहले स्थान पर चुना गया, जबकि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेसी का 2012 का ऐतिहासिक प्रदर्शन दूसरे स्थान पर रहा। इस सूची में दोनों खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। शीर्ष 10 में रोनाल्डो के पांच और मेसी के पांच सीजन शामिल बताए गए हैं। हालांकि, यह सूची प्रशंसकों की पसंद पर आधारित है और इसे दोनों खिलाड़ियों के पूरे करियर की श्रेष्ठता का अंतिम फैसला नहीं माना जाना चाहिए।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 2007-08 के सत्र में असाधारण प्रदर्शन किया था। उनकी गोल करने की क्षमता और बड़े मुकाबलों में शानदार खेल की बदौलत क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग और यूरोपीय चैंपियंस लीग का खिताब जीता। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रोनाल्डो ने उस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 42 गोल किए, और आठ गोलों में सहायता की। वह प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने और चैंपियंस लीग में भी सबसे ज्यादा गोल किए। उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू का सम्मान भी अपने नाम किया। उनके व्यक्तिगत पुरस्कारों की सूची भी प्रभावशाली रही। रोनाल्डो को प्रीमियर लीग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, खिलाड़ियों द्वारा चुना गया सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर जैसे कई सम्मान मिले। क्लब और व्यक्तिगत स्तर पर मिली इन उपलब्धियों ने 2008 को उनके करियर का बेहतरीन वर्ष बना दिया।

### मेसी का 2012 वाला रिकॉर्डतोड़ साल दूसरे नंबर पर

मेसी के लिए 2012 भी ऐतिहासिक रहा। बार्सिलोना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने उस कैलेंडर वर्ष में 91 गोल करने का रिकॉर्ड बनाया था। उनकी गोल करने की निरंतरता, तकनीक और मैदान पर रचनात्मकता ने उन्हें फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया। प्रशंसकों की इस सूची में मेसी का 2012 वाला प्रदर्शन दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा, उनके 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन भी शीर्ष 10 में शामिल बताए गए हैं।

### शीर्ष 10 में सिर्फ रोनाल्डो और मेसी

बताई गई सूची में रोनाल्डो के 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 के सीजन शामिल हैं। वहीं मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के प्रदर्शन को जगह मिली है। इस तरह शीर्ष 10 में किसी तीसरे खिलाड़ी का प्रदर्शन शामिल नहीं होने की बात सामने आई है। मेसी के नाम सर्वाधिक आठ बैलोन डी'ऑर पुरस्कार हैं, जबकि रोनाल्डो ने पांच बार यह प्रतिष्ठित सम्मान जीता है। इसके बावजूद, इस विशेष प्रशंसक मतदान में रोनाल्डो के 2008 के प्रदर्शन को पहला स्थान मिलना उनके समर्थकों के लिए खास उपलब्धि है।

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन ने बदली पूरी रणनीति

# एमआई में बड़ी सर्जरी, मलिंगा समेत तीन दिग्गज कोचों की छुट्टी

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में बड़े बदलाव का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने कोचिंग स्टाफ में व्यापक फेरबदल करते हुए श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा, भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे और फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन से अलग होने का निर्णय लिया है। इन बदलावों को मुंबई इंडियंस की नई रणनीति और अगले सत्र में दमदार वापसी की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि टीम पहले ही अपने मुख्य कोच महेला जयवर्धने से नाता तोड़ चुकी है। उनकी जगह वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मुंबई के पुराने खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड को मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुंबई इंडियंस और लसिथ मलिंगा का रिश्ता काफी पुराना और सफल रहा है। मलिंगा ने खिलाड़ी के रूप में फ्रेंचाइजी को कई बड़ी सफलताएं दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी सटीक यॉर्कर और डेथ ओवरों में बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता मुंबई की गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत रही। खिलाड़ी के रूप में लगभग 11 साल तक मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहने के बाद उन्होंने कोचिंग की भूमिका भी संभाली।

मलिंगा ने 2018 में मुंबई इंडियंस के साथ मेंटर के तौर पर काम किया था। इसके बाद अगस्त 2023 में शेन बॉन्ड की जगह उन्हें तेज गेंदबाजी कोच बनाया गया। आईपीएल 2024 से 2026 तक उन्होंने इस जिम्मेदारी को निभाया। इस तरह खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका मुंबई के साथ करीब 13 साल का जुड़ाव रहा। अब फ्रेंचाइजी के इस फैसले के साथ उनका लंबा सफर समाप्त हो गया है।

जयवर्धने के बाद पोलार्ड को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव की शुरुआत महेला जयवर्धने से अलग होने के फैसले के साथ की थी। अब उनकी जगह कीरोन पोलार्ड को मुख्य कोच बनाया गया है। पोलार्ड लंबे समय तक मुंबई की टीम के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी की कई खिताबी सफलताओं के गवाह रहे हैं। एक खिलाड़ी के रूप में मुंबई के लिए उनका अनुभव और टीम के माहौल की समझ नई जिम्मेदारी में उनके काम आ सकती है। फ्रेंचाइजी को उम्मीद होगी कि पोलार्ड के नेतृत्व में टीम एक बार फिर अपना पुराना दबदबा कायम कर सकेगी। हालांकि, उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता लाने और टीम को खिताब की दौड़ में वापस पहुंचाने की होगी।

### पिछले सत्र की नाकामी ने बढ़ाई बदलाव की जरूरत

मुंबई इंडियंस के लिए पिछला आईपीएल सत्र निराशाजनक रहा था। पांच बार खिताब जीतने वाली टीम 2026 में 10 टीमों की अंकतालिका में नौवें स्थान पर रही। बड़े नामों और अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम को कई मौकों पर संघर्ष करना पड़ा। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद फ्रेंचाइजी के सामने टीम की रणनीति और कोचिंग व्यवस्था में बदलाव करना जरूरी हो गया था। इसी कड़ी में अब कोचिंग स्टाफ के तीन और अनुभवी सदस्यों की विदाई हुई है। मुंबई इंडियंस का नया कोचिंग ढांचा अब किस तरह काम करता है, इस पर सभी की नजरें रहेंगी। मलिंगा जैसे अनुभवी गेंदबाजी विशेषज्ञ और पारस म्हाम्ब्रे जैसे कोच के जाने से टीम के सामने नई व्यवस्था तैयार करने की चुनौती होगी। वहीं पोलार्ड के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी को नई ऊर्जा और नई सोच के साथ मैदान पर उतरने की उम्मीद है।

कपिल देव की वर्ल्ड कप विजेता टीम से आधुनिक टीम इंडिया तक बदला क्रिकेट का अंदाज

# 1983 में एक मैनेजर, अब 17 सदस्यीय टीम! कोच से लेकर डॉक्टर-फिजियो तक

नई दिल्ली , एजेंसी

साल 1983 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा था। उस दौर में टीम के पास न आज जैसी विशेषज्ञ कोचिंग व्यवस्था थी, न समर्पित मेडिकल टीम और न ही प्रदर्शन का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों की लंबी फौज। खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजर पीआर मान सिंह ही यात्रा, ठहरने, खाने और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते थे। लेकिन अब क्रिकेट पूरी तरह बदल चुका है। मैदान पर उतरने वाले 11 खिलाड़ियों के पीछे कोच, डॉक्टर, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजर, ट्रेनिंग असिस्टेंट और परफॉर्मेंस एनालिस्ट समेत 17 सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ काम कर रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक वीडियो ने इसी आधुनिक व्यवस्था की झलक दिखाई है।

1983 में भारतीय टीम ने सीमित संसाधनों के बावजूद विश्व कप जीतकर दुनिया को चौंका दिया था। उस समय खिलाड़ियों की तकनीक, अनुभव और आपसी तालमेल पर ज्यादा भरोसा किया जाता था। आज खिलाड़ियों की तैयारी केवल नेट्स में अभ्यास तक सीमित नहीं है। फिटनेस, चोट से बचाव, रिकवरी, रणनीति और विरोधी टीम के प्रदर्शन का विश्लेषण भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। बीसीसीआई के वीडियो में न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया के कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ को दिखाया गया है। इसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर से लेकर मेडिकल टीम और लॉजिस्टिक्स संभालने वाले सदस्यों तक की भूमिका सामने आती है।

### नेट्स में भी चलती है तेज गेंदबाजी की तैयारी

टीम के ट्रेनिंग असिस्टेंट दयानंद गरानाई उदेनाका नुवान और राघवेंद्र दुग्गी बल्लेबाजों को अभ्यास कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राघवेंद्र दुग्गी क्रिकेट जगत में 'रघु' के नाम से जाना जाता है। थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के रूप में वह बल्लेबाजों को तेज गेंदों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। इसके अलावा परफॉर्मेंस एनालिस्ट हरि प्रसाद मोहन आंकड़ों और वीडियो फुटेज के जरिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन तथा विरोधी टीम की रणनीतियों का विश्लेषण करने में मदद करते हैं। टीम ऑपरेशन मैनेजर सुमीत और लॉजिस्टिक्स मैनेजर खाजा मुबशिरुद्दीन दौरे से जुड़ी व्यवस्थाओं का तालमेल संभालते हैं।

### गंभीर, मोर्कल और कोटक के हाथों में कोचिंग की कमान

टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले और फील्डिंग कोच सुभदीप घोष खिलाड़ियों की तैयारी में अहम भूमिका निभाते हैं। सितांशु कोटक घरेलू क्रिकेट में 8,061 प्रथम श्रेणी रन बना चुके हैं, जबकि पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतुले के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 630 विकेट हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट हासिल किए थे। वहीं, सुभदीप घोष खिलाड़ियों की फिटनेस, बी और फील्डिंग क्षमता बेहतर करने पर काम करते हैं। स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स खिलाड़ियों की ताकत, सहनशक्ति और फिटनेस पर ध्यान देते हैं, ताकि लंबे दौरे और लगातार मैचों के दबाव के बीच खिलाड़ी अपनी क्षमता बनाए रख सकें।

### डॉक्टर, फिजियो और मसाजर संभालते हैं फिटनेस का मोर्चा

लंबे अंतरराष्ट्रीय दौरों में खिलाड़ियों को फिट रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। टीम डॉक्टर डी. थर्ल्स मिंज, फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन और योगेश परमार तथा मसाजर नंदन मांजी और चेतन कुमार इस जिम्मेदारी में सहयोग करते हैं। इनका काम खिलाड़ियों की शारीरिक जरूरतों के मुताबिक सहायता देना, चोट से उबरने में मदद करना और मैचों के बीच रिकवरी को बेहतर बनाना है। आधुनिक क्रिकेट में फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ा है, क्योंकि खिलाड़ियों को अलग-अलग प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित करनी होती है।

# तिलक वर्मा का बदला अंदाज, अब पहली गेंद से बरसाएंगे चौके-छक्के

ऑकलैंड। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा का बल्लेबाजी क्रम बदलने के साथ उनका अंदाज भी बदल गया है। पहले नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने वाले तिलक अब नंबर-5 या नंबर-6 पर उतर रहे हैं। इस नई भूमिका में उनकी रणनीति आक्रामक बल्लेबाजी के साथ पारी को संभालकर खेलने की भी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले उन्होंने बताया कि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उनकी सोच में किस तरह बदलाव आया है। तिलक वर्मा ने कहा कि उनके पास पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता रही है और उन्होंने नंबर-3 पर भी खूब रन बनाए हैं। लेकिन अब पांचवें या छठे नंबर पर उतरते हुए वह पहली गेंद से ही बाउंड्री लगाने का मौका तलाशते हैं। हालांकि, इसके लिए गेंद का सही होना जरूरी है।

### डेथ ओवर्स में गेंदबाजों पर दबाव बनाने की रणनीति

तिलक का मानना है कि लक्ष्य का पीछा करते समय आखिरी ओवरों में गेंदबाजों पर काफी दबाव होता है। ऐसे में बल्लेबाज को धैर्य बनाए रखते हुए सही समय पर आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। पिछले 12 महीनों में रन रेट के दौरान उनके प्रदर्शन ने भारतीय टीम को कई अहम मौकों पर मजबूती दी है। नीतीश रेड्डी के साथ साझेदारी ने दिलाई जीत न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में नीतीश रेड्डी के साथ साझेदारी को याद करते हुए तिलक ने बताया कि उन्होंने अपने साथी से मैच को आखिरी तक ले जाने की बात कही थी।

# सिंधु-लक्ष्य हाइलो ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

## :सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के [ ार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया।

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

संधु ने इस साल जापान ओपन का खिताब जीता था।

### सिंधु का क्वार्टर फाइनल में अमली शुल्ज से मैच

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

### सिंधु ने 57 में से 42 अंक हासिल किए

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

### लक्ष्य सेन ने किरण जॉर्ज को हराया

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

### मालविका और इशरानी टूर्नामेंट से बाहर

महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गईं और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं।

इशरानी बरुआ को डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क केजर्सफेल्ड ने 21-14, 21-19 से हराया। 39 मिनट के मुकाबले में इशरानी ने दूसरे गेम में चुनौती दी, लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत दर्ज की।

### उन्नति हुड्डा और अनमोल खरब के मैच भी आज

महिला सिंगल्स में भारत की छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा का मुकाबला डेनमार्क की फ्रेडरिक ओस्टरगार्ड से होगा। वहीं, अनमोल खरब डेनमार्क की तीसरी वरीयता प्राप्त लाइन f स्टोफरसेन के खिलाफ खेलेंगी।

# हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस- पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हराया

## 13 गेंद बाकी रहते टारगेट हासिल किया; अब्बास अफरीदी ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए

एजेंसी हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग इंटरनेशनल सिक्सेस में पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हरा दिया। शु वार को खेले गए ग्रुप-ष्ट के मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में 2 विकेट पर 91 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पाकिस्तान ने 13 गेंद बाकी रहते 89 रन का टारगेट हासिल किया। पाकिस्तान की जीत में अब्बास अफरीदी और ख्वाजा नफे ने अहम भूमिका निभाई। अब्बास ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए। उन्हें को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

### शशांक सिंह ने 11 गेंदों पर 40 रन बनाए

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। राहुल त्रिपाठी 5 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने 14 गेंदों पर 19 रन बनाए। वह रिटायर्ड आउट हुए। शशांक सिंह ने आते ही आ ामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 11 गेंदों पर 40 रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

### शशांक-नीतीश के बीच 57 रन की साझेदारी

शशांक ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। हालांकि, उनके आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। राहुल तेवतिया और कप्तान क्रुणाल पंड्या खाता भी नहीं खोल सके। दोनों को अब्दुल समद ने लगातार गेंदों पर आउट किया। टी नटराजन ने 6 गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाए। भारत ने 6 ओवर में 88 रन बनाए।

### पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में मैच खत्म किया

89 रन के टारगेट का पीछा करने उतरे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की। ख्वाजा नफे और अब्बास अफरीदी ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 2.1 ओवर में 59 रन जोड़े। अब्बास 8 गेंदों पर 35 रन बनाकर शशांक सिंह की गेंद पर आउट हुए।

### नफे ने 12 गेंदों पर 41 रन बनाए

इसके बाद नफे ने भी तेजी से रन बनाए। वह 12 गेंदों पर 41 रन बनाकर राहुल तेवतिया का शिकार बने। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। इसके बाद अब्दुल समद ने 3 गेंदों पर नाबाद 7 और इरफान खान ने एक गेंद पर नाबाद 6 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी।

### क्रुणाल पंड्या ने एक ओवर में 31 रन दिए

भारत की ओर से गेंदबाजी में राहुल तेवतिया और शशांक सिंह को एक-एक विकेट मिला। हालांकि, भारतीय गेंदबाज रन रोकने में नाकाम रहे। क्रुणाल पंड्या ने एक ओवर में 31 रन दिए, जबकि टी नटराजन ने एक ओवर में 28 रन खर्च किए। शशांक सिंह ने 14 रन देकर एक विकेट लिया। पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में ही 91 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

# राशिद टी-20 इंटरनेशनल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज:उमरजई का 44 गेंद पर शतक

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान मेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।उन्होंने 120 मैचों में यह माइल स्टोन हासिल किया।

शारजाह में गुरुवार को राशिद खान ने दूसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर तादिवनाशे मरुमानी को स्टम्प्ड किया। मरुमानी राशिद का 200वां विकेट बने।

इस मैच को अफगानिस्तान ने 19 रन से जीता। उसने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। तीसरा मुकाबला एक नवंबर को खेला जाएगा।

### राशिद के नाम ये रिकॉर्ड भी हैं

टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज हैं। 53 पारियों में यह कारनामा किया था। टी-20 इंटरनेशनल में से सबसे ज्यादा विकेट लिए। राशिद के नाम LBW के 52 विकेट दर्ज हैं।

टेस्ट के सबसे युवा कप्तान हैं। 2019 में 20 साल 350 दिन की आयु में बांग्लादेश के खिलाफ चटग्राम में अफगानिस्तान की कप्तानी की थी।

वनडे के सबसे युवा कप्तान। 19 साल 165 दिन की उम्र में 2018 में बुलवायो में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी की थी

# आजादी के आठ दशक बाद भी पगडंडियों पर जिंदगी : गांडेय के घोसको में सड़क नहीं तो वोट नहीं का ऐलान

## मानव श्रृंखला बनाकर ग्रामीणों ने बुलंद की आवाज, चुनाव बहिष्कार की दी चेतावनी

- बदहाल रास्ते से टूटा सामाजिक ताना-बाना, गांव के युवाओं के रिश्ते होने लगे हैं रद्द
- अधिकारियों की पैमाइश के बाद भी नहीं रखी गई ईंट, विधायक और डीसी तक पहुंचा मामला

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**गांडेय/गिरिडीह :** देश की आजादी के अस्सी वर्ष बीत जाने के बाद भी गिरिडीह जिले के गांडेय प्रखंड अंतर्गत घोसको गांव बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। विकास के दावों के बीच आज भी यहां के ग्रामीण बदहाल पगडंडियों के सहारे आवाजाही करने को मजबूर हैं। प्रशासनिक उपेक्षा और खस्ताहाल रास्तों से तंग आकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर 'सड़क नहीं तो वोट नहीं' का नारा बुलंद किया और एक लंबी मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने दो-टूक शब्दों में कहा कि जब तक सड़क का निर्माण शुरू नहीं होगा, तब तक वे किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

**250 घरों की आबादी, बारिश में टापू बन जाता है गांव**

घोसको गांव में लगभग 250 घर और 2000 से अधिक की आबादी है, जिसमें 800 से ज्यादा पंजीकृत मतदाता हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव तक पहुंचने के लिए आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। हल्की बारिश होते ही पूरा गांव टापू में तब्दील हो जाता है और आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को खाट पर लादकर मुख्य मार्ग तक पहुंचाना पड़ता है।

**सड़क के अभाव में टूट रहे रिश्ते, युवाओं की शादियां अटकीं**

सड़क न होने का असर अब गांव के सामाजिक ताने-बाने पर भी साफ दिखने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि बदहाल रास्तों और पिछड़ेपन के कारण बाहरी लोग इस गांव में अपने लड़के-लड़कियों की शादी करने से कतराते हैं। खराब रास्ते के कारण गांव के कई युवक-युवतियों के तय रिश्ते टूट चुके हैं और कई युवाओं की शादियां अधर में लटकी हुई हैं।

**पूर्व में भी हुआ था विरोध, सिर्फ मापी तक सिमटा प्रशासन**

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी सड़क निर्माण को लेकर विरोध जताया गया था। उस समय तत्कालीन उपायुक्त के निर्देश पर गांडेय बीडीओ निसात अंजुम और कनीय अभियंता (जेई) मो. फारूक गांव पहुंचे थे। अधिकारियों ने रास्ते की मापी कराकर जल्द सड़क निर्माण का आश्वासन दिया था। हालांकि, महीनों बीत जाने के बाद भी धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ, जिससे खुद को ठगा महसूस कर रहे ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है।

**विधायक को सौंपा ज्ञापन, तकनीकी स्वीकृति का इंतजार**

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को भी एक ज्ञापन सौंपा है और जल्द पहल करने की मांग की है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) निसात अंजुम ने बताया कि कनीय अभियंता मो. फारूक के जरिए रास्ते की विधिवत मापी कराकर विस्तृत रिपोर्ट जिला मुख्यालय (डीसी कार्यालय) को भेजी जा चुकी है। तकनीकी स्वीकृति मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मोके पर अरुण वर्मा, लखेद्र वर्मा मोहन मंडल, जलेश्वर मंडल, गुड़िया देवी, कृष्ण वर्मा, महादेव वर्मा, राजु मंडल समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

# बकाया भुगतान न होने पर 1 नवंबर से बीपीएल मरीजों की मुफ्त जांच बंद

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**दुमका :** फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर संचालित हेल्थ मैप डायग्नोस्टिक सेंटर में 1 नवंबर से बीपीएल और निम्न आय वर्ग के मरीजों के लिए मिलने वाली निःशुल्क जांच सेवाओं पर अस्थायी रोक लगा दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लंबे समय से बकाया भुगतान नहीं किए जाने के कारण प्रबंधन ने यह कड़ा कदम उठाया है।

**दो करोड़ रुपये का भुगतान लंबित**

जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की ओर से हेल्थ मैप डायग्नोस्टिक सेंटर का लगभग दो करोड़ रुपये का बकाया भुगतान अब तक नहीं किया गया है। भुगतान लंबे समय से लंबित रहने के कारण सेंटर का संचालन प्रभावित हो रहा था।सेंटर के प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि हेड ऑफिस के निर्देशों के तहत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, ₹करीब दो करोड़ रुपये का बकाया भुगतान न होने के कारण बीपीएल मरीजों की सेवाओं पर रोक लगाई गई है। इसकी सूचना संबंधित विभागीय अधिकारियों को पहले ही दे दी गई है।

**अस्पताल प्रबंधन और विभाग से गुहार बेअसर**

हेल्थ मैप प्रबंधन द्वारा कई बार अस्पताल प्रबंधन और संबंधित उच्च अधिकारियों से बकाया राशि के भुगतान का अनुरोध किया गया था, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। आर्थिक दबाव बढ़ने और संचालन में आ रही बाधाओं से आहत होकर प्रबंधन ने अंततः नोटिस जारी कर निःशुल्क सेवाएं बंद करने की जानकारी दी है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं हो जाता, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

**गरीब मरीजों की बढ़ी मुश्किलें**

इस फैसले का सबसे बुरा असर उन गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर पड़ेगा जो महंगे निजी अस्पतालों का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और पूरी तरह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर हैं। मुफ्त जांच बंद होने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अब सबकी निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और मरीजों को राहत पहुंचाने के लिए क्या कदम उठाता है।

# पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर विधानसभा समिति की समीक्षा बैठक

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**लातेहार।** झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति उदय शंकर सिंह शुक्रवार को लातेहार पहुंचे। परिसदन में उपायुक्त संदीप कुमार ने सभापति एवं समिति के सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद सभापति उदय शंकर सिंह की अध्यक्षता में परिसदन सभागार में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा इससे संबंधित विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान समिति के सदस्य एवं पोटका विधायक संजीव सरदार तथा चतरा विधायक जनार्दन पासवान भी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान समिति ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों, संचालित योजनाओं और प्रदूषण की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। सभापति ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्रदूषण पर नियंत्रण करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण से जुड़े नियमों एवं प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने तथा जनहित से संबंधित मामलों पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता बताई। साथ ही विभागीय जवाबदेही तय करते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने पर बल दिया गया।

बैठक में जिला प्रशासन की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कदम उठाने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई गई। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, आईटीडीए निदेशक सरोजिनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी प्रभात कुमार, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ सुलेमान मुंडरी, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

# सैकड़ों मजदूरों ने इंटक छोड़ नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में एचएमएस की सदस्यता ग्रहण की

## एचएमएस हिन्द मजदूर सभा की नई कमेटी गठित, आनंद प्रताप सिंह बने अध्यक्ष

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**कुजू।** सेल रिफ्रैक्ट्रीज यूनिट इफिको में शुक्रवार को एचएमएस हिन्द मजदूर सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के महासचिव नवीन कुमार सिंह ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और मजदूरों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें आनंद प्रताप सिंह को अध्यक्ष, नंदकिशोर बेदिया एवं प्राणदीप बक्शी को उपाध्यक्ष, सुनील बेदिया को सचिव तथा अवधेश प्रसाद सिन्हा को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं संतोष सिंह, ब्रजेश श्रीवास्तव एवं रश्मिता महापात्र को उपसचिव, सीमाराम बेदिया को संगठन सचिव तथा मोहन प्रजापति को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा संजय गुप्ता, सुशील यादव, विश्वजीत दत्ता, फलिन्द्र महतो, घुमेश्वर महतो, फूलचंद बेदिया, शंभू पांडेय, चंदन कुमार सिंह, कुणाल करमाली, शिव चरण मुंडा एवं शिव नारायण राम को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक के दौरान सैकड़ों मजदूरों ने इंटक छोड़कर महासचिव नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में एचएमएस हिन्द मजदूर सभा के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए संगठन की सदस्यता ग्रहण की। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने तथा मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद प्रताप सिंह ने कहा कि सेल रिफ्रैक्ट्रीज यूनिट इफिको में मजदूरों को उनका हक और अधिकार दिलाने के लिए पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से काम किया जाएगा। संगठन अपने सदस्यों के हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहेगा। वहीं सचिव नंदकिशोर बेदिया ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाना सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। संगठन जितना मजबूत होगा, प्रबंधन के समक्ष मजदूरों की मांगों और समस्याओं को उतनी ही मजबूती से रखा जा सकेगा। बैठक के बाद नवनिर्वाचित कमेटी के पदाधिकारियों ने महाप्रबंधक पीके गुप्ता से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें नई कमेटी की सूची सौंपी। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद प्रताप सिंह एवं महाप्रबंधक पीके गुप्ता ने एक-दूसरे को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मौके पर यूनियन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

# छठ महापर्व को लेकर तैयारी तेज, तरुण कुमार गुप्ता सहित अन्य ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

**जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) :** लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर जामताड़ा नगर पंचायत ने तैयारियां तेज कर दी हैं। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए नगर पंचायत क्षेत्र के सभी प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। नगर पंचायत का लक्ष्य है कि महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित घाट उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे पूरी श्रद्धा और सुविधापूर्वक भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सकें। इसी क्रम में राजाबांध, सरकार बांध, एसडीओ तालाब, सूर्य मंदिर तालाब और सतसाल अजय नदी घाट सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई कर्मियों को लगाकर घाटों और उनके आसपास जमा कचरे एवं गंदगी को हटाया जा रहा है। इसके साथ ही घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की सफाई तथा छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोशनी की व्यवस्था भी की जा रही है। नगर पंचायत की ओर से सभी घाटों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। सफाई अभियान और तैयारियों का जायजा लेने के लिए भाजपा नेता सह समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि भी घाटों पर पहुंचे। इस दौरान तरुण कुमार गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए नगर पंचायत की ओर से सभी छठ घाटों की साफ-सफाई और रोशनी की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

# जल जीवन मिशन की योजनाओं में देरी पर मंत्री सख्त, तीन माह में फिर होगी समीक्षा

## हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और कोडरमा की पेयजलापूर्ति योजनाओं की हुई समीक्षा, लापरवाह संवेदकों को कानूनी नोटिस जारी करने का निर्देश

रफ्तार मीडिया संवाददाता

**हजारीबाग।** जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजलापूर्ति योजनाओं में हो रही देरी और कार्यों की धीमी प्रगति पर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कड़ा रुख अपनाया है। शुक्रवार को हजारीबाग समाहरणालय सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और कोडरमा जिले की योजनाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों और संवेदकों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि आम जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने से जुड़ी योजनाओं में लापरवाही और अनावश्यक विलंब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में सिंगल विलेज स्कीम, रॉ वाटर राइजिंग, क्लीन वाटर राइजिंग, जल शोधन संयंत्र और पेयजलापूर्ति से संबंधित अन्य आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की जानकारी ली गई। मंत्री ने योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए पूछा कि निर्धारित समय सीमा के बावजूद कई कार्य अब तक अधूरे क्यों हैं और कुछ योजनाओं का संचालन बाधित क्यों है। उन्होंने सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर योजनाओं को जल्द चालू करने का निर्देश दिया। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि शुद्ध पेयजल प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। सरकार की योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा, जब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण पानी मिल सकेगा। इसके लिए विभागीय अधिकारियों और कार्य करा रहे संवेदकों को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से काम करना होगा। समीक्षा के दौरान कई योजनाओं में काम बंद रहने और निर्धारित समय के अनुसार प्रगति नहीं होने के मामलों को गंभीरता से लिया गया। मंत्री ने ऐसे संवेदकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विभागीय सचिव अबु इमरान ने कहा कि जो संवेदक तय समय पर काम पूरा नहीं कर रहे हैं या योजनाओं को अधूरा छोड़कर बैठे हैं, उन्हें कानूनी नोटिस जारी किया जाए। इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर संविदा की शर्तों के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, नियमित निरीक्षण करने और सभी पेयजलापूर्ति संरचनाओं को क्रियाशील बनाने का निर्देश दिया। साथ ही जहां तकनीकी या अन्य कारणों से काम प्रभावित है, वहां तत्काल समस्या का समाधान करने को कहा। अभियान निदेशक शशि रंजन ने भी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की लंबित योजनाओं की नियमित निगरानी करने और कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले कारणों को दूर करने का निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और संवेदकों की जवाबदेही तय की जाएगी।मंत्री ने कहा कि पेयजलापूर्ति से जुड़ी योजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में लिए गए निर्णयों और दिए गए निदेशों के अनुपालन की समीक्षा तीन माह बाद फिर से की जाएगी। इस दौरान योजनाओं की प्रगति और कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा। बैठक में विभागीय सचिव अबु इमरान, अभियान निदेशक शशि रंजन, उप विकास आयुक्त कोडरमा, नगर आयुक्त हजारीबाग, अपर समाहर्ता हजारीबाग, जिला योजना पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, मंत्री के ओएसडी सहित चारों जिलों के वरीय अधिकारी, विभागीय पदाधिकारी और संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

## समाचार सार

### चित्तरंजन रेलवे मेंस कांग्रेस द्वारा रेलवे बोर्ड को ज्ञापन और विशाल धरना प्रदर्शन

**मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता):** चित्तरंजन रेलवे मेंस कांग्रेस ने एनएफआईआर से संबद्ध होकर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें चिरेका के कर्मचारियों की विभिन्न लंबित और न्यायसंगत मांगों को उठाया गया है। अपनी मांगों के समर्थन में 30 अक्टूबर 2026 को सीएलडब्ल्यू के प्रशासनिक कार्यालय के गेट के सामने एक विशाल धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारियों ने भाग लिया। संगठन के मुख्य मुद्दों में सीएलडब्ल्यू में लगभग 3,500 रिक्त पदों को शीघ्र भरना, एनपीएस और यूपीएस को वापस लेकर पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना, 01 नवंबर 2023 से कैडर पुनर्गठन का तुरंत कार्यान्वयन, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना, पीएलबी की गणना के लिए 7,000 रुपये की सीमा को हटाना और कोविड-19 महामारी के दौरान रोके गए 18 महीने के महंगाई भत्ते तथा एरियर का भुगतान शामिल है। सीआरएमसी ने रेलवे बोर्ड से इन सभी छह प्रमुख मांगों पर व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने और समयबद्ध तरीके से समाधान निकालने का आग्रह किया है ताकि कर्मचारियों का मनोबल और वित्तीय सुरक्षा बनी रहे।

### महापौर अरविंद राणा की पहल पर सदर अस्पताल के समीप पार्किंग स्थल विकसित करने का कार्य शुरू

**हजारीबाग (रफ्तार मीडिया संवाददाता):** शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने पहल तेज कर दी है। अब मुख्य सड़क के किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने की समस्या से निजात दिलाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत सदर अस्पताल के समीप छोटानागपुर बैंक की जमीन पर निर्धारित पार्किंग स्थल विकसित किया जाएगा। महापौर अरविंद राणा ने नगर निगम क्षेत्र का भ्रमण कर मुख्य सड़क के आसपास यातायात और पार्किंग की समस्या का जायजा लिया था। इस दौरान स्थानीय दुकानदारों और आम लोगों ने बताया कि मेन रोड के आसपास पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्राहकों और दुकानदारों को मजबूरी में सड़क पर ही वाहन खड़े करने पड़ते हैं। इससे अक्सर यातायात बाधित होता है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने प्रभारी पदाधिकारी एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर सदर अस्पताल के समीप छोटानागपुर बैंक की जमीन पर पार्किंग स्थल विकसित करने की योजना बनाई। इसी योजना के तहत शुक्रवार को दो जेसीबी मशीनों की मदद से चिह्नित जमीन की साफ-सफाई और समतलीकरण का कार्य शुरू कराया गया। इस पहल का उद्देश्य दुकानदारों, ग्राहकों और आम नागरिकों को व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि मुख्य सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़े न हों और यातायात सुचारू बना रहे। महापौर अरविंद राणा ने कहा कि शहर की समस्याओं का समाधान केवल बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसके लिए धरातल पर उतरकर काम करना जरूरी है। नगर निगम का प्रयास है कि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलें और यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाया जा सके।

### धनबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे सतर्कता विभाग का जागरूकता अभियान, नौकरी और कन्फर्म टिकट के नाम पर ठगी से बचने की अपील

**धनबाद (रफ्तार मीडिया संवाददाता):** धनबाद रेलवे स्टेशन पर पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर मुख्यालय के सतर्कता विभाग की ओर से यात्रियों को जागरूक करने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर यात्रियों को रेलवे में नौकरी दिलाने, कन्फर्म टिकट कराने और वरिष्ठ नागरिक (सीनियर सिटीजन) कोटे के नाम पर होने वाली ठगी के विभिन्न तौर-तरीकों से अवगत कराया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को शातिर ठगों के जाल से बचाना था। सतर्कता जागरूकता टीम के सदस्य अरुण कुमार ने अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर मुख्यालय के निर्देश पर पांचों मंडलों (डिवीजनों) में यह जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रेलवे में किसी भी प्रकार की नौकरी के लिए रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ही एकमात्र अधिकृत और वैध माध्यम हैं। यदि कोई व्यक्ति नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे की मांग करता है, तो उससे पूरी तरह सावधान रहने की आवश्यकता है। अभियान के दौरान कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए बहुत ही सरल और प्रभावी तरीके से यात्रियों को समझाया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में न आएं। यात्रियों से यह भी अपील की गई कि वे अपनी यात्रा के लिए टिकट हमेशा अधिकृत काउंटरों या ऑनलाइन माध्यमों से ही खरीदें। रेलवे की सतर्कता टीम द्वारा धनबाद समेत सभी प्रमुख स्टेशनों पर चलाए जा रहे इस प्रकार के अभियानों से यात्रियों को काफी सीख मिल रही है, ताकि वे किसी भी धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकें।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।